



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 144]  
No. 144]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 3, 2006/आषाढ़ 12, 1928  
NEW DELHI, MONDAY, JULY 3, 2006/ASADHA 12, 1928

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

( पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 2006

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : इंडोनेशिया, कोरिया, मलेशिया और ताईवान से पूर्णतः बंटा हुआ अथवा पूर्णतः विन्यासित यार्न/स्पिन ड्रॉ यार्न/फ्लैट यार्न के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/3/2005-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (जिन्हें एतदपश्चात अधिनियम कहा जाएगा) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम 1995, (जिन्हें एतदपश्चात नियम कहा जाएगा) को ध्यान में रखते हुए:

क. क्रियाविधि

2. जांच के संबंध में निम्नलिखित क्रियाविधि का पालन किया गया है:

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात अधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत, घरेलू उत्पादकों अर्थात् मै. सेंट्रल इंडिया पॉलिस्टर्स लि., मै. सेंचुरी एन्का लि., मै. गार्डन सिल्क मिल्स लि., मै. नोवा पेट्रोकेमिकल्स लि., मै. रेकॉन सिंथीटिक्स लि. और मै. वेलस्पन सिन्टेक्स लि की तरफ से मै. एसोसिएशन ऑफ सिंथेटिक फाइबर इंडस्ट्रीज (जिन्हें एतदपश्चात याचिकाकर्ता कहा जाएगा) एक लिखित याचिका प्राप्त हुई थी। जिसमें इंडोनेशिया, कोरिया गणराज्य, मलेशिया और चीनी-

ताईपेई (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा जाएगा) से पूर्णतः बंटे हुए अथवा पूर्णतः विन्यासित यार्न/स्पिन ड्रॉ यार्न पालिस्टर के प्लैट यार्न (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा जाएगा) के कथित पाटन का आरोप लगाया गया था। और पाटनरोधी जांच तथा संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया था।

(ii) याचिका की प्रारंभिक जांच करने पर उसमें कुछ खामियों का पता चला था, जिन्हे बाद में याचिकाकर्ताओं द्वारा ठीक कर दिया गया था;

(iii) उपर्युक्त नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच की कार्यवाही शुरू करने से पूर्व पाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के विषय में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया था;

(iv) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर दिनांक 27 जून 2005 को भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना जारी करके उप-नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू की ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, सीमा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश की जा सके, जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

(v) प्राधिकारी ने उक्त सार्वजनिक नोटिस की प्रतियां ज्ञात, निर्यातकों, आयातकों/प्रयोक्ताओं और शिकायतकर्ताओं को भेजी और नियम 6(2) के अनुसार प्रारंभिक अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर उन्हें लिखित में अपने विचारों से अवगत का अवसर प्रदान किया:

(vi) उपर्युक्त नियम 6 के उप-नियम (3) के अनुसार, प्राधिकारी ने आवेदन कि एक प्रति निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों और भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराई;

1. मै. हुआलोन कॉर्पोरेशन (एम) एस डी एन बी एच डी, मलेशिया
2. मै. टोंगकूक कॉर्पोरेशन, कोरिया
3. मै. हयोसंग, कोरिया
4. मै. पी टी पॉलिसिन्डों एका पर्कासा टर्बुका, इंडोनेशिया
5. मै. नान या प्लास्टिक्स, ताईवान, ताईवान

(vii) नियम 6(2) के अनुसार संबद्ध देशों के दूतावासों को जांच के प्रारंभ होने के संबंध में सूचित किया गया तथा यह अनुरोध किया गया कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की एक एक प्रति उन्हें भी भेजी गई थी;

(viii) नियम 6(4) के अनुसार अपेक्षित जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ता एसोसिएशनों को एक प्रश्नावली भेजी गई थी:

1. मै. श्री कृष्णा ट्रेडिंग कंपनी
2. मै. सहेली वस्त्र उद्योग लि.
3. मै. रामगोपाल पॉलिटैक्स लि.
4. मै. बोगहरा पॉलिफैब प्राइवेट लि.
5. मै. कंसल टेक्सो-ट्यूब प्रा. लि.
6. मै. जेलॉन इपेक्स इंडिया प्राइवेट लि.
7. मै. आसु एग्जिम प्रा लि.
8. मै. किरण इंडस्ट्रीज
9. मै. श्याम सुंदर टेक्सटाइल्स
10. मै. कापी टेक्सटाइल्स
11. मै. शिवम टेक्सटाइल्स
12. मै. सोहम टेक्सटाइल्स
13. मै. इंडियन कॉटन मिल्स फेडरेशन
14. मै. फेडरेशन ऑफ इंडियन आर्ट सिल्क एंड वीविंग इंडस्ट्री

(ix) अनुरोध किए जाने पर अन्य हितबद्ध पार्टियों को अगोपनीय आवेदन की एक प्रति भी उपलब्ध कराई गई थी।

(x) निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा प्रश्नावली/अधिसूचना को उत्तर/सूचना प्रस्तुत की गई थी:-

1. मै. पी टी मुटु गैडिंग टेक्स्टिल (इंडोनेशिया)
2. मै. एच के कॉर्पोरेशन (कोरिया)
3. मै. हयोसंग कॉर्पोरेशन (कोरिया)
4. मै. सायहैन इंडस्ट्री (कोरिया)
5. मै. हूविस कॉर्पोरेशन (कोरिया)
6. मै. हुआलोन कॉर्पोरेशन (मलेशिया)
7. मै. नान या प्लास्टिक्स कॉर्पोरेशन (चीनी ताईपेई)
8. मै. चाइना मैन-मेड फाइबर कॉर्पोरेशन (चीनी ताईपेई)

(xi) निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं/एसोसिएशनों द्वारा प्रश्नावली/अधिसूचना का उत्तर/सूचना प्रस्तुत की गई थी:-

1. मै. आल इंडिया यार्न इंपोर्टर्स एसोसिएशन
2. मै. फेडरेशन ऑफ इंडिया आर्ट सिल्क एंड वीविंग इंडस्ट्री

(xii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों का अगोपनीय अंश उपलब्ध रखा और नियम 6(7) के अनुसार उसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण हेतु खुला रखा।

(xiii) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर तथा याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर उत्पादन की इष्टतम लागत और भारत में संबद्ध वस्तु के विनिर्माण और बिक्री की लागत का निर्धारण करने के लिए लागत जांच की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटन रोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

(xiv) इस अधिसूचना में से किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना प्रदर्शित होती है, जिसे नियमों के तहत प्राधिकारी ने ऐसा ही माना है।

(xv) यह जांच 1 जनवरी 2004 से 31 दिसम्बर 2004 (12 महीने) अर्थात् जांच की अवधि (पी ओ आई) के लिए की गई थी। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच की अवधि में अप्रैल 2001-मार्च 2002, अप्रैल 2002-मार्च 2003 और अप्रैल 2003-मार्च 2004 और जांच की अवधि शामिल थी।

**ख. विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु और घरेलू उद्योग:**

**ख.1 विचाराधीन उत्पाद**

3. वर्तमान जांच में शामिल उत्पाद पूर्णतः बंटा हुआ अथवा पूर्णतः विन्यासित यार्न/स्पिन ड्रॉ यार्न/पालिस्टर का फ्लैट यार्न (गैर विन्यासित और गैर पी ओ वाई) तथा सीमाशुल्क शीर्ष 5402.43 के टैरिफ विवरणों से संगत अन्य यार्न (जिन्हें रुतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) हैं। वाणिज्यिक बाजार में बोलचाल की भाषा में उपर उल्लिखित उत्पाद को सामान्यतः “पूर्णतः बंटे हुए यार्न” के रूप में जाना जाता है। संबद्ध वस्तु का उपयोग परिधानों/घरेलू घर में उपयोग किए जाने वाले कपड़ों और अन्य औद्योगिक वस्त्रों के विनिर्माण हेतु किया जाता है। संबद्ध वस्तुओं की तकनीकी विनिर्देशनों को उनके डेनियर्स, संसक्ति, चमक, रंग (जैसे अर्धधूसर, चमकदार, अत्यंत चमकदार, पूर्णतः धूसर, रोगन किया हुआ), अनुप्रस्थीय काट और संकुचन के आधार पर परिभाषित किया जाता है।

**ख.2 समान वस्तु**

4. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि संबद्ध वस्तु, जिसका भारत में पाटन किया जा रहा है, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के समान वस्तु है। पाटित आयातों और घरेलू तौर पर उत्पादित संबद्ध वस्तु के तकनीकी विनिर्देशनों, गुणवत्ता, कार्यो अथवा उपयोगों में कोई अंतर नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि न तो निर्यातकों और न ही हितबद्ध पार्टियों ने इस तथ्य का खण्डन किया है कि संबद्ध देशों द्वारा पाटित वस्तुएं और याचिकाकर्ताओं द्वारा विनिर्मित विचाराधीन उत्पाद समान वस्तुएं हैं। प्राधिकारी के अनुसार प्रयोक्ता उद्योग द्वारा आयातित वस्तुओं का उपयोग, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं के साथ प्रतिस्थापनीय रूप से किया जाता है। घरेलू

उद्योग और संबद्ध देशों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं, तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय होने के कारण पाटव रोधी नियमों के अंतर्गत “समान वस्तु” हैं। अतः वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ, भारत में याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं को संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के “समान वस्तु” माना जा रहा है।

### ग. घरेलू उद्योग

5. भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित उत्पादकों के साथ मै. एसोसिएशन ऑफ सिंथेटिक फाइबर इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली द्वारा याचिका दायर की गई है:

- (i) मै. सेंट्रल इंडिया पॉलिस्टर्स लि. नागपुर, महाराष्ट्र
- (ii) मै. सेंचुरी एन्का लि. रायगढ़, महाराष्ट्र
- (iii) मै. गार्डन सिल्क मिल्स लि. सूरत, गुजरात
- (iv) मै. नोवा पेट्रोकेमिकल्स लि. अहमदाबाद, गुजरात
- (v) मै. रेक्रॉन सिंथेटिक्स लि. अलाहाबाद, उत्तर प्रदेश
- (vi) मै. वेलस्पन सिंटेक्स लि. थाने, महाराष्ट्र

6. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपर उल्लिखित उत्पादकों का सामूहिक उत्पादन घरेलू समान उत्पाद के समग्र घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है। प्राधिकारी निर्धारित करते हैं कि उपर उल्लिखित याचिकाकर्ता नियम 5(3)(क) के संदर्भ में घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने हेतु मानदण्ड को पूरा करते हैं और उपर्युक्त नियम 2(ख) के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि हितबद्ध पार्टियों अथवा निर्यातकों की ओर से इस बात के कोई तर्क नहीं दिए गए हैं कि याचिकाकर्ता नियम के अनुसार मानदण्डों को पूरा नहीं करते हैं।

### घ. हितबद्ध पार्टियों के विचार

7. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऑल इंडिया यार्न इंपोर्टर्स और फेडरेशन ऑफ इंडियन आर्ट सिल्क एंड वीविंग इंडस्ट्री ने संबद्ध वस्तुओं के किसी भी आयातक से प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त किए बिना कुछेक निवेदन प्रस्तुत किए हैं। दिनांक 26 अप्रैल 2006 के पत्र के अनुसार इन पार्टियों को नियम 2(ग) के अर्थों के भीतर सदस्यों की सूची और इस बात का साक्ष्य कि इस एसोसिएशन के अधिकांश सदस्य संबद्ध वस्तु के आयातक हैं, प्रस्तुत करके उनके इस दावे की पुष्टि करने के लिए कहा गया कि आयातक एसोसिएशन एक हितबद्ध पार्टी है। उन्हें आयातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने की भी सलाह दी गई क्योंकि निर्यातक आंकड़े और डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों के बीच काफी अंतर को देखते हुए, इस मामले में उनका उत्तर अत्यंत महत्वपूर्ण है तथापि, इन एसोसिएशनों ने इस पत्र का उत्तर नहीं दिया है।

8. तथापि, इन एसोसिएशनों/संघों ने अपने सामान्य निवेदनों में निम्नलिखित तर्क दिए हैं:

- याचिकाकर्ताओं ने घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित न किए गए किसी भी यार्न को नामावली, गुणवत्ता और प्रकार के आधार पर जांच से बाहर नहीं रखा है। आंकड़ों का अर्थपूर्ण ढंग से वियोजन नहीं किया गया है। यार्नों के अनेक प्रकार जैसे 4.5 डेनियर से अधिक उच्च संसक्ति वाले पॉलिस्टर यार्न, पॉलिस्टर फ्लेम रिटार्डेंट यार्न, टेफ्लॉन संसाधित पॉलिस्टर यार्न, आयातित है, जिनका भारत में विनिर्माण नहीं किया जाता है।
- याचिकाकर्ताओं ने अलग अलग प्रक्रियाओं और उनसे जुड़ी लागत प्रभावशीलता के बीच में अंतर नहीं दर्शाया है। यह तर्क दिया गया है कि उत्पादक पी टी ए, एम ई जी, चिप्स, पी ओ वाई/एल ओ वाई रस्तर से शुरूआत कर सकते हैं और अलग रूटों के लिए लागत संरचना भिन्न होगी;
- गुणवत्ता और प्रौद्योगिकी के पहलुओं पर विचार किए बिना और आयात और घरेलू उत्पादन के आंकड़ों को नियोजित किए बिना संबद्ध वस्तुओं की तुलना करने पर निकलने वाला परिणाम वास्तविक स्थिति से काफी परे होगा;

9. उन्होंने घरेलू उद्योग के अत्यधिक गोपनीयता के दावों, आयात आंकड़ों के अपर्याप्त विभाजन तथा घरेलू उद्योग में वर्तमान कार्य निष्पादन के मुद्दे को भी उठाया है और यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग इस दायर याचिका के आधार पर पाटन एवं क्षति की पुष्टि नहीं की जा सकती हैं। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रतिवादी एसोसिएशनों ने ऐसी कोई सत्यापन योग्य सूचना प्रस्तुत नहीं की है जिससे प्राधिकारी को पाटन और क्षति के निर्धारण में मदद मिल सके। एसोसिएशनों ने संबद्ध वस्तु के आयातकों या प्रयोक्ताओं के प्रतिनिधित्व हेतु अपने दावों की पुष्टि भी नहीं की है।

### ३. पाटन मार्जिन का निर्धारण

10. सीमा शुल्क टैरीफ (संशोधन) अधिनियम 1995 की धारा 9 क (1)(ग) के तहत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:—

- “(i) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियम के अनुसार यथानिर्दिष्ट तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो; या
- (ii) जहाँ निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण

अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की वजह से समुचित तुलना नहीं हो सकती हो तो सामान्य मूल्य या तो:-

- (क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किए जाने पर समान वस्तु का उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य; या
- (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत;

11. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया गणराज्य के चार निर्यातकों, चीनी ताईपेई के दो निर्यातकों और मलेशिया तथा इंडोनेशिया के एक-एक निर्यातक ने जांच में सहयोग दिया है और प्रश्नावली में विस्तृत उत्तर दायर किए हैं। प्रारंभिक पाटन संबंधी निर्धारण सहयोगी निर्यातकों द्वारा दायर उत्तरों तथा प्राधिकारी के पास उपलब्ध अन्य तथ्यों के आधार पर निम्नानुसार किया गया है

#### इ 1. इंडोनेशिया

12. जांच शुरुआत संबंधी-सूचना के उत्तर में इंडोनेशिया से संबद्ध वस्तु के एकमात्र निर्यातक अर्थात् मैसर्स पी टी मुतु गेडिंग टैक्स्टील, इंडोनेशिया ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। प्रारंभिक जांच के आधार पर निर्यातक को कुछेक कमियों के बारे में सूचित किया गया था और निर्यातक ने 5 मई, 2006 के पत्र द्वारा उनका स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया था। निर्यातक से 7 जून, 2006 के पत्र द्वारा प्रश्नावली के उत्तर की कुछेक परिशिष्टों के बारे में आगे स्पष्टीकरण मांगे गए थे। किए गए विभिन्न दावों के सत्यापन एवं निर्यातक द्वारा प्रदत्त स्पष्टीकरणों एवं निर्यात संबंधी आंकड़ों के मिलान के अध्याधीन इस सहयोगी निर्यातक एवं इंडोनेशिया के अन्य निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का आकलन अनंतिम रूप से निम्नानुसार किया गया है।

#### इ 1.1. मैसर्स पी. टी. मुतु गेडिंग टैक्स्टील

##### (क) सामान्य मूल्य

13. निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान अपने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की लगभग \*\*\* मी. टन की बिक्री सूचित की है। उनके दावों तथा उपलब्ध कराए गए स्पष्टीकरणों के सत्यापन के अध्याधीन प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण घरेलू बिक्री सौदों को निर्यातकों के संबंधित पी सी एन के लिए सामान्य व्यापार प्रक्रिया जांच के अधीन रखने के पश्चात् उनके आधार पर किया है। कारखाना स्तर पर पी सी एन-वाट

सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष बिक्री खर्चों के समायोजन की अनुमति उपलब्ध कराए गए घरेलू बिक्री के आंकड़ों के आधार पर प्रदान की गई है।

(ख) निर्यात कीमत

14. दायर किए गए उत्तर के अनुसार इस निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु की \*\*\* मी. टन की बिक्री की है। प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ आंकड़ों के सत्यापन और मिलान के अध्यक्षीन निर्यातक की सूचना के अनुसार अलग-अलग पी सी एन की औसत निर्यात कीमत का उपयोग उक्त निर्यात कीमत के अनंतिम निर्धारण हेतु किया गया है। निर्यातक ने अनेक सौदों के एफ ओ बी आधार पर होने तथा कुछ सौदों के सी आई एफ आधार पर होने की सूचना दी है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने पैकिंग, बीमा और हैंडलिंग प्रभारों आदि के लिए कोई समायोजन नहीं किया है। अतः निर्यातक के उत्तर के आधार पर कारखाना द्वार पर निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए अंतर्देशीय तथा समुद्री भाड़े, ऋण लागत हेतु समायोजन किए गए हैं जो समायोजन के घटकों तथा सौदों की वास्तविक कीमत से संबंधित आगे स्पष्टीकरण तथा सत्यापन के अधीन है। इन आंकड़ों के आधार पर औसत निर्यात कीमत अनंतिम रूप से \*\*\* अम. डा./पी एम टी बनती है।

(ग) पाटन मार्जिन

15. उपयुक्त सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के आधार पर अलग-अलग पी सी एन के लिए पाटन मार्जिन निकाला गया है और किसी सहयोगी निर्यातक के लिए भारत औसत पाटन मार्जिन की गणना अंतिम रूप से \*\*\* अम. डा./पी एम टी (10.35%) की गई है।

इ 1.2. इंडोनेशिया के अन्य निर्यातक

(क) सामान्य मूल्य

16. प्राधिकारी ने यह पाया है कि इंडोनेशिया के किसी भी निर्यातक ने निर्धारित प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। अतः प्राधिकारी ने नियम (6)(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अन्य निर्यातकों के बारे में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने अन्य निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण इस देश के सहयोगी निर्यातक की सर्वोच्च सौदा लागत के भारत औसत के आधार पर किया है। तदनुसार, इंडोनेशिया के सभी अन्य निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण अनंतिम रूप से \*\*\* अम. डा./पी एम टी के रूप में किया गया है।



**(ख) निर्यात कीमत**

17. उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निवल कारखाना द्वार निर्यात कीमत का परिकलन करने के लिए अंतर्देशीय एवं समुद्री भाड़ा तथा बीमा, बट्टे एवं छूट आदि के लिए किए गए समायोजनों के लिए अनुमति देने के पश्चात् डीजीसीआईएस आँकड़ों में रिपोर्ट किए गए आयात की भारत औसत सीआईएफ कीमत के आधार पर इंडोनेशिया के सभी असहयोगी निर्यातकों की निवल निर्यात कीमत का परिकलन किया गया है। तदनुसार, अनंतिम रूप में इंडोनेशिया के सभी अन्य निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत \*\*\* अमरीकी डालर/पीएमटी है।

**(ग) पाटन मार्जिन**

18. उपर्युक्त भारत औसत सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर इंडोनेशिया के असहयोगी निर्यातकों के लिए भारत औसत पाटन मार्जिन का अनंतिम अनुमान \*\*\* अमरीकी डालर/पीएमटी (80%) लगाया गया है।

**ड.2 कोरिया गणराज्य**

19. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में कोरिया गणराज्य के निम्नलिखित निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है।

1. मै0 एच.के. कॉर्पोरेशन (कोरिया)
2. मै0 ह्योसुंग कॉर्पोरेशन (कोरिया)
3. मै0 सेहान इंडस्ट्री (कोरिया)
4. मै0 ह्युविस कॉर्पोरेशन (कोरिया)

इन उत्तर देने वाले निर्यातकों के उत्तरों की जाँच की गई है और निम्नानुसार प्रारंभिक पाटन निर्धारण किया गया है :-

**ड.2.1 मै0 एच.के. कॉर्पोरेशन**

20. मै. एच.के. कॉर्पोरेशन के प्रश्नावली के उत्तर की जाँच की गई थी और प्रारंभिक जाँच के आधार पर निर्यातक को कुछेक कमियों के बारे में सूचित किया गया था और निर्यातक ने उसका स्पष्टीकरण दिया है। दिनांक 7 जून, 2006 के पत्र द्वारा प्रश्नावली उत्तरों के कुछेक परिशिष्टों के संबंध में निर्यातक से और स्पष्टीकरण माँगा गया है। अपने उत्तर के विभिन्न पहलुओं के संबंध में निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों, किए गए विभिन्न दावों और स्पष्टीकरण के सत्यापन तथा समन्वय के लम्बित रहने तक कोरिया गणराज्य के इस सहयोगी निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण अनंतिम रूप से निम्नानुसार किया गया है :-

**(क) सामान्य मूल्य**

21. निर्यातक ने अपने घरेलू बाजार में संबंध वस्तु के विभिन्न प्रकारों के \*\*\* मी. टन घरेलू बिक्री की सूचना दी है और संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्रियों के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है। निर्यातक ने कारखाना द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु अंतर्देशीय भाड़ा, ऋण संबंधी व्यय तथा पैकिंग व्यय के लिए समायोजनों का दावा भी किया है। उत्पादन लागत तथा निर्यातक द्वारा समायोजन के अन्य दावों के सत्यापन के लम्बित रहने तक प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ मॉडल रूप से एक समान पीसीएन के घरेलू सौदों के आधार पर इस निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य का अनन्तिम रूप से निर्धारण किया गया है। सत्यापन के अध्यक्षीन प्रस्तुत किए गए घरेलू बिक्री आँकड़ों के आधार पर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष बिक्री व्ययों के लिए समायोजन की अनुमति दी गई है।

**(ख) निर्यात कीमत**

22. निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान भारत को संबंधित वस्तु के तीन प्रकारों के \*\*\* मी. टन निर्यातक की सूचना दी है। निर्यात आँकड़ों के समन्वय एवं सत्यापन के लम्बित रहने तक प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदा-वार औसत निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। निर्यातक के उत्तर के आधार पर निवल कारखाना-द्वार निर्यात कीमत का परिकलन करने के लिए अंतर्देशीय एवं समुद्री भाड़ा तथा बीमा, ऋण लागतों, बट्टा एवं छूट, पैकिंग लागत, प्रहस्तन एवं सीमाशुल्क व्यय, बैंक प्रभार तथा वापसी हेतु समायोजन किए गए हैं। इन आँकड़ों के आधार पर अनन्तिम रूप से भारत औसत निर्यात कीमत \*\*\* अमरीकी डॉलर/पीएमटी बनती है।

**(ग) पाटन मार्जिन**

23. उपर्युक्त पीसीएन-वार कारखाना द्वार सामान्य मूल्यों और निवल कारखाना-द्वार निर्यात कीमतों के आधार पर इस निर्यातक के लिए अनन्तिम रूप से भारत औसत पाटन मार्जिन \*\*\* अमरीकी डॉलर/पीएमटी (8.60% ) होता है।

**ड.2.2 मै0 ह्योसुंग कॉर्पोरेशन, कोरिया गणराज्य**

24. मै0 ह्योसुंग कॉर्पोरेशन, कोरिया के प्रश्नावली के उत्तर की जाँच की गई थी और प्रारंभिक जाँच के आधार पर निर्यातक को कुछेक कमियों के बारे में सूचित किया गया था और निर्यातक ने उसका स्पष्टीकरण दिया है। दिनांक 7 जून, 2006 के पत्र द्वारा प्रश्नावली उत्तरों के कुछेक परिशिष्टों के संबंध में निर्यातक से और स्पष्टीकरण माँगा गया है।

**(क) सामान्य मूल्य**

25. इस निर्यातक ने अपने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु के विभिन्न प्रकारों के लगभग \*\*\* मी. टन की घरेलू बिक्री की है। आँकड़ों के समन्वय और सत्यापन के लम्बित रहने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ निवल कारखाना द्वार सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्यातक द्वारा प्रश्नावली के उत्तर के अनुसार

बट्टे, अंतर्देशीय भाड़ा, छूट, पैकिंग व्यय तथा ऋण लागतों आदि के लिए समायोजनों की अनुमति देने के बाद व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में मॉडल रूप से समान सौदों की घरेलू सौदा कीमतों के आधार पर किया गया है।

### (ख) निर्यात कीमत

26. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के \*\*\* मी. टन के निर्यात की सूचना दी है जिसमें पीसीएन के 8 प्रकार शामिल हैं। निर्यात आँकड़ों के समन्वय एवं सत्यापन के लम्बित रहने तक प्रारंभिक जाँच परिणाम के प्रयोजनार्थ प्रत्येक पीसीएन के लिए निर्यात कीमत के अनन्तिम निर्धारण के लिए सहयोगी निर्यातक के सौदा-वार निर्यात आँकड़ों का प्रयोग किया गया है। निर्यातक के उत्तर के आधार पर निम्न कारखाना-द्वारा निर्यात कीमत के परिकलन के लिए अंतर्देशीय एवं समुद्री भाड़ा तथा बीमा, ऋण लागतों, बट्टा एवं छूट, पैकिंग लागत के लिए समायोजन किए गए हैं। भारत औसत निम्न निर्यात कीमत अनन्तिम रूप से \*\*\* अमरीकी डालर/पीएमटी परिकलित की गई है।

### (ग) पाटन मार्जिन

27. उपर्युक्त कारखाना द्वारा सामान्य मूल्यों तथा निम्न कारखाना-द्वारा निर्यात कीमतों के आधार पर इस सहयोगी निर्यातक के लिए भारत औसत पाटन मार्जिन अनन्तिम रूप से \*\*\* अमरीकी डॉलर/पीएमटी (14.85%) परिकलित किया गया है।

### ड.2.3 मै0 सेहान इंडस्ट्री, कोरिया गणराज्य

28. मै. सेहान इंडस्ट्री के प्रश्नावली के उत्तर की जाँच की गई थी और प्रारंभिक जाँच के आधार पर निर्यातक को कुछेक कमियों के बारे में सूचित किया गया था और निर्यातक ने उसका स्पष्टीकरण दिया है। दिनांक 7 जून, 2006 के पत्र द्वारा प्रश्नावली उत्तरों के कुछेक परिशिष्टों के संबंध में निर्यातक से और स्पष्टीकरण माँगा गया है। अपने उत्तर के विभिन्न पहलुओं के संबंध में निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों, किए गए विभिन्न दावों और स्पष्टीकरण के सत्यापन तथा समन्वय के लम्बित रहने तक कोरिया गणराज्य के इस सहयोगी निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण अनन्तिम रूप से निम्नानुसार किया गया है :-

### (क) सामान्य मूल्य

29. इस निर्यातक में अपने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु के \*\*\* मी. टन की घरेलू बिक्री की सूचना दी है और प्रत्येक पीसीएन के लिए लागत आँकड़े भी उपलब्ध कराए हैं। अतः प्रारंभिक जाँच परिणामों के प्रयोजनार्थ, माँगी गई अतिरिक्त सूचना की प्रस्तुति एवं उसके सत्यापन के अध्यधीन व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में घरेलू बिक्री सौदों के आधार पर पीसीएन स्तरों पर निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य का अनन्तिम रूप से निर्धारण किया गया है। सामान्य मूल्य को कारखाना-द्वारा स्तर पर लाने के लिए,

उपलब्ध कराए गए घरेलू बिक्री आंकड़ों के आधार पर अंतर्देशीय भाड़ा, पैकिंग व्यय तथा ऋण लागतों के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष बिक्री व्ययों के लिए समायोजनों की अनुमति दी गई है।

### (ख) निर्यात कीमत

30. इस निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के विभिन्न प्रकारों के \*\*\* मी. टन का निर्यात किया है। निर्यात आंकड़ों के समन्वय एवं सत्यापन के लम्बित रहने तक प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ, प्रत्येक पीसीएन के लिए निर्यात कीमत के अनंतिम निर्धारण हेतु सहयोगी निर्यातक के सौदा-वार निर्यात आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। निर्यातक ने इन निर्यात सौदों के लिए उनके द्वारा प्राप्त शुल्क वापसी हेतु समायोजन का दावा किया है। इन दावों के सत्यापन के लम्बित रहने तक, निर्यातक के उत्तर के आधार पर निवल कारखाना-द्वार निर्यात कीमत के परिकलन के लिए अंतर्देशीय एवं समुद्री भाड़ा तथा बीमा, ऋण लागतों, बट्टे एवं छूट, पैकिंग लागतों तथा शुल्क वापसियों के लिए अनंतिम रूप से समायोजन किए गए हैं। इन आंकड़ों के आधार पर भारित औसत निर्यात कीमत अनंतिम रूप से \*\*\* अमरीकी डॉलर/पीएमटी परिकलित होती है।

### (ग) पाटन मार्जिन

31. उपर्युक्त कारखाना द्वार सामान्य मूल्यों तथा निवल कारखाना-द्वार निर्यात कीमतों के आधार पर इस सहयोगी निर्यातक के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन अनंतिम रूप से (-) \*\*\* अमरीकी डॉलर/पीएमटी (14.85%) परिकलित किया गया है। अतः इस निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन ऋणात्मक है।

### ड.2.4 मै0 ह्युलिस कॉर्पोरेशन, कोरिया गणराज्य

32. मै. ह्युलिस कॉर्पोरेशन के प्रश्नावली के उत्तर की जाँच की गई थी और प्रारंभिक जाँच के आधार पर निर्यातक को कुछेक कमियों के बारे में सूचित किया गया था और निर्यातक ने उसका स्पष्टीकरण दिया है। दिनांक 7 जून, 2006 के पत्र द्वारा प्रश्नावली उत्तरों के कुछेक परिशिष्टों के संबंध में निर्यातक से और स्पष्टीकरण माँगा गया है। माँगे गए स्पष्टीकरणों तथा निर्यातक द्वारा किए गए विभिन्न दावों के सत्यापन के लम्बित रहने तक कोरिया गणराज्य के इस सहयोगी निर्यातक के लिए अनंतिम रूप से पाटन मार्जिन का परिकलन निम्नानुसार किया गया है :-

### (क) सामान्य मूल्य

33. इस निर्यातक में अपने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु के \*\*\* मी. टन की घरेलू बिक्री की सूचना दी है और प्रत्येक पीसीएन के लिए लागत आँकड़े भी उपलब्ध कराए हैं। अतः प्रारंभिक जाँच परिणामों के प्रयोजनार्थ, माँगी गई अतिरिक्त सूचना की प्रस्तुति एवं उसके सत्यापन के अद्यधीन व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में घरेलू बिक्री सौदों के आधार पर पीसीएन स्तरों पर निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य का अनंतिम रूप से निर्धारण किया गया है। सामान्य मूल्य को कारखाना-द्वार स्तर पर लाने के लिए,

उपलब्ध कराए गए घरेलू बिक्री आंकड़ों के आधार पर अंतर्देशीय भाड़ा, पैकिंग व्यय तथा ऋण लागतों के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष बिक्री व्ययों के लिए समायोजनों की अनुमति दी गई है।

### (ख) निर्यात कीमत

34. इस निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के \*\*\* मी. टन का निर्यात किया है जिसमें 9 पीसीएन शामिल हैं। निर्यात आंकड़ों के समन्वय तथा सत्यापन के लम्बित रहने तक प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ प्रत्येक पीसीएन के लिए निर्यात कीमत के अनंतिम निर्धारणार्थ सहयोगी निर्यातक के सौदा-वार निर्यात आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। निर्यातक ने निर्यात पर शुल्क वापसी सहित निर्यात कीमत पर कई समायोजनों का दावा किया है। इन दावों के सत्यापन के लम्बित रहने तक निर्यातक के उत्तर के आधार पर निवल कारखाना द्वार निर्यात कीमत परिकलित करने के लिए अंतर्देशीय तथा समुद्री भाड़ा एवं बीमा, ऋण लागतों, बट्टे एवं छूट, पैकिंग लागतों के लिए समायोजन किए गए हैं। इन आंकड़ों के आधार पर अनन्तिम रूप से भारत औसत निर्यात कीमत \*\*\* अम.डा./पीएमटी बनती है।

### (ग) पाटन मार्जिन

35. उपर्युक्त कारखाना द्वार सामान्य मूल्यों तथा निवल कारखाना-द्वार निर्यात कीमतों के आधार पर इस सहयोगी निर्यातक के लिए भारत औसत पाटन मार्जिन अनन्तिम रूप से (-) \*\*\* अमरीकी डॉलर/पीएमटी (14.85%) परिकलित किया गया है। अतः इस निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन ऋणात्मक है।

## ड.3.5 कोरिया गणराज्य के अन्य निर्यातक

### (क) सामान्य मूल्य

36. कोरिया गणराज्य के अन्य असहयोगी निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है। इस निर्धारण के प्रयोजनार्थ सहयोगी निर्यातक के लिए परिकल्पित उच्चतम सामान्य मूल्य को कोरिया गणराज्य के अन्य निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के रूप में अपनाया गया है। तदनुसार, अनन्तिम रूप से निर्धारित भारत औसत सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डॉ./पीएमटी है।

### (ख) निर्यात कीमत

37. कोरिया गणराज्य के असहयोगी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत का अनन्तिम निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। इस निर्धारण के प्रयोजनार्थ कोरिया गणराज्य के सहयोगी निर्यातकों की निम्नतम निर्यात कीमत को सभी अन्य निर्यातकों के लिए भारत औसत निवल निर्यात कीमत के रूप में अपनाया गया है। तदनुसार कोरिया गणराज्य के सभी अन्य निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत अनन्तिम रूप से \*\*\* अम.डॉ./पीएमटी परिकलित होती है।

## (ग) पाटन मार्जिन

38. निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर कोरिया गणराज्य के संबद्ध वस्तु के सभी अन्य निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन अनन्तिम रूप से \*\*\* अम.डा./पीएमटी (45%) निर्धारित किया गया है।

## ड.3 मलेशिया

39. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मलेशिया के एकमात्र निर्यातक अर्थात् मै0 हुआलोन कॉर्पोरेशन ने इस जाँच में सहयोग किया है और उन्होंने प्रश्नावली का विस्तृत उत्तर प्रस्तुत किया है।

## ड.3.1 मै0 हुआलोन कॉर्पोरेशन

40. मै. हुआलोन कॉर्पोरेशन के प्रश्नावली के उत्तर की जाँच की गई थी और प्रारंभिक जाँच के आधार पर निर्यातक को कुछेक कमियों के बारे में सूचित किया गया था और निर्यातक ने उसका स्पष्टीकरण दिया है। दिनांक 7 जून, 2006 के पत्र द्वारा प्रश्नावली उत्तरों के कुछेक परिशिष्टों के संबंध में निर्यातक से और स्पष्टीकरण माँगा गया है। माँगे गए स्पष्टीकरणों के और निर्यातक द्वारा किए गए विभिन्न दावों के सत्यापन के लम्बित रहने तक मलेशिया के इस सहयोगी निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन का अनुमान अनन्तिम रूप से निम्नानुसार है :-

## (क) सामान्य मूल्य

41. इस निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान भारत को \*\*\* पी.टन निर्यात की तुलना में उसी अवधि में अपने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की काफी कम मात्रा (\*\*\* मी. टन) की घरेलू बिक्री की सूचना दी है। अतः इस निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ घरेलू बाजार में बिक्रियां प्रतिनिधिक नहीं हैं। निर्यातक ने उसी अवधि के दौरान कई देशों को अपने तीसरे देश निर्यातों के ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। जाँच अवधि के दौरान इस निर्यातक का कुल तीसरे देश का निर्यात लगभग 60386 मी. टन था। निर्यातक ने तुर्की को निर्यात का सौदे-वार विवरण प्रस्तुत किया है जिसकी जाँच पाटनरोधी नियमावली के अनुच्छेद 2.2 के प्रथम परंतुक के अनुरूप निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए की गई है। निर्यातक ने संबद्ध वस्तु की पीसीएन-वार लागत के आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं। अतः इस निर्धारण के प्रयोजनार्थ, व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में तुर्की को बिक्रियों पर विचार किया गया है और तुर्की को तीसरे देश की बिक्रियों के आधार पर भारत औसत कारखाना-द्वार सामान्य मूल्य अनन्तिम रूप से \*\*\* अम.डा./पीएमटी परिकलित होता है, जो सौदों, निर्यातक के लागत आँकड़े और दावा किए गए विभिन्न समायोजनों के सत्यापन के अध्यधीन है।

## (ख) निर्यात कीमत

42. इस निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान भारत को \*\*\* मी. टन संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है जिसमें कई पीसीएन शामिल हैं। निर्यात आँकड़ों के समन्वय और सत्यापन के लम्बित रहने तक प्रारंभिक जाँच परिणामों के प्रयोजनार्थ, भारत औसत निर्यात कीमत के अनन्तिम निर्धारण के लिए सहयोगी निर्यातक के सौदे-वार निर्यात आँकड़ों का प्रयोग किया गया है। निर्यातक के उत्तर के आधार पर निवल

कारखाना-द्वार निर्यात कीमत का परिकलन करने के लिए अंतर्देशीय एवं समुद्री भाड़ा तथा बीमा, ऋण लागतों, बट्टे एवं छूट, पैकिंग लागतों के लिए समायोजन किए गए हैं। इन आँकड़ों के आधार पर भारत औसत निर्यात कीमत अनन्तिम रूप से \*\*\* अम.डा./पीएमटी परिकलित होती है।

(ग) पाटन मार्जिन

43. उपर्युक्त सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर इस सहयोगी निर्यातक के लिए भारत औसत पाटन मार्जिन अनन्तिम रूप से \*\*\* अम.डा./पीएमटी (10.74%) परिकलित होता है।

### ड.3.2 मलेशिया के अन्य निर्यातक

(क) सामान्य मूल्य

44. प्राधिकारी पाते हैं कि मलेशिया के किसी भी अन्य निर्यातक ने निर्धारित प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। अतः प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ नियम 6(8) के अनुसार उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अन्य निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

(ख) निर्यात कीमत

45. मलेशिया के सभी असहयोगी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत का अनन्तिम रूप से परिकलन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। इस निर्धारण के प्रयोजनार्थ डीजीसीआईएस आँकड़ों में रिपोर्ट किए गए के अनुसार भारत औसत सीआईएफ निर्यात कीमत को स्वीकार किया गया है और निवल कारखाना द्वार कीमत निकालने के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अंतर्देशीय तथा समुद्री भाड़ा, बीमा, प्रहस्तन प्रभार आदि के लिए समायोजन किए गए हैं। तदनुसार, मलेशिया के सभी अन्य निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत अनन्तिम रूप से \*\*\* अम.डा./पीएमटी परिकलित होती है।

(ग) पाटन मार्जिन

46. निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर मलेशिया के संबद्ध वस्तु के सभी अन्य निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन अनन्तिम रूप से \*\*\* अम.डा./पीएमटी (41%) निर्धारित किया गया है।

### ड.4 चीनी ताइपेई

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी ताइपेई में संबद्ध वस्तु के केवल दो निर्यातकों अर्थात् मै0 नान या प्लास्टिक्स कॉर्पोरेशन और मै0 चाइना मेन मेड फाइबर कॉर्पोरेशन, चीनी ताइपेई ने इस जांच की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

**ड.4.1 मै0 नान या प्लास्टिक्स कॉर्पोरेशन**

48. मै. हुआलोन कॉर्पोरेशन के प्रश्नावली के उत्तर की जाँच की गई थी और प्रारंभिक जाँच के आधार पर निर्यातक को कुछेक कमियों के बारे में सूचित किया गया था और निर्यातक ने उसका स्पष्टीकरण दिया है। दिनांक 7 जून, 2006 के पत्र द्वारा प्रश्नावली उत्तरों के कुछेक परिशिष्टों के संबंध में निर्यातक से और स्पष्टीकरण माँगा गया है। माँगे गए स्पष्टीकरणों के और निर्यातक द्वारा किए गए विभिन्न दावों के सत्यापन के लम्बित रहने तक मलेशिया के इस सहयोगी निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन का अनुमान अनन्तिम रूप से निम्नानुसार है :-

**(क) सामान्य मूल्य**

49. इस निर्यातक ने ताईपेई बाजार में संबद्ध वस्तु के विभिन्न किस्मों की \*\*\* मी. टन घरेलू बिक्रियां बतायी हैं। निर्यातक ने अपनी घरेलू बिक्रियों के पीसीएन-वार लागत आंकड़े भी उपलब्ध कराये हैं। इसलिए प्रारंभिक जाँच परिणामों के प्रयोजनार्थ आंकड़ों का समन्वय एवं सत्यापन होने तक निर्यातक हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण व्यापार की साधारण प्रक्रिया में मांगी गई अतिरिक्त सूचना को प्रस्तुत करने और इसके सत्यापन करने के अध्यधीन घरेलू बिक्रियों के सौदों के आधार पर पीसीएन स्तर पर अनन्तिम रूप से किया गया है। सामान्य मूल्य को कारखाना द्वार स्तर पर लाने के लिए अंतर्देशीय भाड़े, पैकिंग व्ययों एवं ऋण लागतों के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष बिक्री खर्चों के संबंध में समायोजन की उपलब्ध कराये गए घरेलू बिक्री आंकड़ों के आधार पर अनुमति दी गई है।

**(ख) निर्यात कीमत**

50. निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का \*\*\*\*\* मी. टन निर्यात बताया है जिसमें 4 भिन्न-भिन्न मॉडल/प्रकार शामिल हैं। प्रारंभिक जाँच परिणामों के प्रयोजनार्थ निर्यातों एवं आयात आंकड़ों तथा इस निर्यातक द्वारा प्रस्तुत अन्य सूचना का समन्वय एवं सत्यापन होने तक निर्यात कीमत का निर्धारण निर्यातक द्वारा रिपोर्ट की गई सौदा कीमत के आधार पर किया गया है। निर्यातक के जवाब के आधार पर निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए अंतर्देशीय एवं समुद्री भाड़े एवं बीमा, ऋण लागतों, कटौती एवं छूटों, पैकिंग लागतों आदि हेतु समायोजन किया गया है।

**(ग) पाटन मार्जिन**

51. उपर्युक्त सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के आधार पर इस निर्यातक हेतु पाटन मार्जिन का इस सहयोगी निर्यातक के लिए अनन्तिम रूप से \*\*\* अम.डालर/पीएमटी (4.25%) के रूप में अनुमान लगाया गया है।

**ड.4.2 मै0 चीनी मैन-मेड फाइबर कार्पोरेशन, चीनी ताईपेई**

52. चीनी ताईपेई के इस निर्यातक के प्रश्नावली उत्तर की जाँच की गई थी और प्रारंभिक जाँच के आधार पर निर्यातक को कतिपय कमियां संसूचित की गई थी और निर्यातक ने इनका स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया है। प्रश्नावली उत्तर के कतिपय परिशिष्टों के संबंध में निर्यातक से और अधिक स्पष्टीकरण माँगा गया था। माँगे गए स्पष्टीकरणों के प्राप्त होने और निर्यातक द्वारा लिए गए विभिन्न दावों का सत्यापन होने तक कोरिया आरपी से इस सहयोगी निर्यातक हेतु पाटन मार्जिन का निम्नानुसार अनन्तिम रूप से आकलन किया गया है :-



**(क) सामान्य मूल्य**

53. इस निर्यातक ने ताईपेई बाजार में संबद्ध वस्तु की विभिन्न किस्मों की \*\*\* मी. टन घरेलू बिक्रियां बतायी हैं। निर्यातक ने अलग-अलग पीसीएनएस की उत्पादन लागत भी उपलब्ध करायी है। इसलिए, प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ आंकड़ों का समन्वय एवं सत्यापन होने तक निवल कारखाना द्वारा सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्यातकों की प्रश्नावली के जवाब के अनुसार कटौतियों, अंतर्देशीय भाड़े, छूटों, पैकिंग व्ययों और ऋण लागतों आदि के लिए समायोजनों की अनुमति देने के पश्चात व्यापार की साधारण प्रक्रिया में माडल से मेल खाते सौदों की घरेलू सौदा कीमतों के आधार पर पीसीएन स्तर पर किया गया है। निर्यातक ने इस बात का उल्लेख किए बगैर व्यापार समायोजन के एक स्तर का भी दावा किया है कि उसकी गणना कैसे की गई है। अतः अनंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ ऐसे समायोजन के अनुमति नहीं दी गई है।

**(ख) निर्यात कीमत**

54. निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का \*\*\* मी. टन निर्यात बताया है जिसमें 7 पीसीएनएस शामिल हैं। निर्यातों एवं आयात आंकड़ों तथा इस निर्यातक द्वारा प्रस्तुत अन्य सूचना के समन्वय एवं सत्यापन होने तक प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ अलग-अलग पीसीएनएस हेतु निर्यात कीमतों का निर्धारण निर्यातक द्वारा बताया गई सौदागत कीमतों के आधार पर किया गया है। निर्यातक ने इस बात का उल्लेख किए बगैर कि इन समायोजनों का परिकलन कैसे और किस आधार पर किया गया है, भीषण कीमत घाटे और मिश्रित ग्रेडों के लिए कतिपय समायोजनों का दावा किया है। अतः अनंतिम निर्धारणों के प्रयोजनार्थ ऐसे समायोजन स्वीकार नहीं किए गए हैं। तथापि, निर्यातक के जवाब के आधार पर निवल कार्यान्तर निर्यात कीमत निकालने के लिए भाड़े एवं मिश्रित ग्रेडों के लिए अनंतिम रूप से समायोजन किए गए हैं। इन आंकड़ों के आधार पर भारित औसत निर्यात कीमत का अनंतिम रूप से \*\*\* अम. डालर/पीएमटी के रूप में परिकलन किया गया है।

**(ग) पाटन मार्जिन**

55. उपर्युक्त सामान्य मूल्यों एवं निर्यात कीमतों के आधार पर अलग-अलग पीसीएन हेतु पाटन मार्जिनों का निर्धारण किया गया है और इस निर्यातक हेतु भारित औसत पाटन मार्जिन का अनंतिम रूप से \*\*\* अम. डा./पीएमटी (21.23% ) के रूप में आंकलन किया गया है।

**ड.4.3 चीनी ताईपेई के अन्य निर्यातक**

56. प्राधिकारी पाते हैं कि चीनी ताईपेई से किसी अन्य निर्यातक ने निर्धारित प्रश्नावली का जवाब नहीं दिया है। अतः प्राधिकारी ने अन्य निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है। प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने अन्य निर्यातकों हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर किया है। अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण \*\*\* अम. डा./पीएमटी के रूप में किया गया है। निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के अनुसार भाड़े एवं बीमा आदि हेतु समायोजनों की अनुमति देने के पश्चात डीजीसीआईएस के आंकड़ों के अनुसार सीआईएफ आयात कीमत के आधार पर किया गया है। निवल कार्यान्तर निर्यात कीमत का परिकलन \*\*\* अम. डा./पीएमटी के रूप में होता है। तदनुसार, चीनी ताईपेई के सभी असहयोगी निर्यातकों हेतु पाटन मार्जिन का परिकलन \*\*\* अम. डा./पीएमटी (42% ) के रूप में होता है।

**ड.5 पाटन मार्जिन का सारांश**

57. उपर्युक्त निर्धारण के आधार पर संबद्ध देशों में निर्यातकों हेतु पाटन मार्जिन का निम्नानुसार परिकलन किया गया है :-

देश/राज्य क्षेत्र	निर्यातक/विनिर्माता	पाटन मार्जिन अम.डा./मी.टन	पाटन मार्जिन (%)
इंडोनेशिया	मै0पी0टी0 मुदु गेडिंग टेक्सटिल	*****	10.35%
इंडोनेशिया	सभी अन्य	*****	80%
कोरिया	मै0 एच.के. कार्पो.	*****	8.60%
कोरिया	मै0 ह्योसंग कार्पो.	*****	14.85%
कोरिया	मै0 सेहान इंडस्ट्री	*****	Negative
कोरिया	मै0 हुविस कार्पो.	*****	Negative
कोरिया	सभी अन्य	*****	45%
मलेशिया	मै0 हुयालोन कार्पो.	*****	10.74%
मलेशिया	सभी अन्य	*****	41%
चीनी ताईपेई	मै0 नान या प्लास्टिक्स कार्पो0	*****	4.25%
चीनी ताईपेई	मै0 चीन मैन-मेड फाइबर कार्पो0	*****	21.23%
चीनी ताईपेई	सभी अन्य	*****	42%

**च. क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच****च.1 घरेलू उद्योग के विचार**

58. घरेलू उद्योग ने सभी मानदंडों के संबंध में आवेदन पत्र में सूचना प्रस्तुत की है। घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ दावा किया है कि:-

- संबद्ध देशों से समग्र निर्यातों में वर्ष 2001-2002 के दौरान आयातों से लगभग 4 गुणा बढ़ोतरी हुई है। कुल निर्यातों के प्रतिशत के रूप में निर्यातों में भी वृद्धि हुई है। इसके अलावा संबद्ध वस्तु की कुल मांग एवं घरेलू उत्पादन की तुलना में संबद्ध देशों से आयातों में भी वृद्धि हुई है।
- संबद्ध देशों से पहुँच कीमत में जांच अवधि के दौरान अत्यधिक गिरावट आयी है जबकि इसी समय कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि होने के परिणामस्वरूप कच्ची सामग्री की कीमत में वृद्धि हुई है। यह भी निवेदन किया जाता है कि कच्ची सामग्री की कीमतों में वृद्धि के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप वर्ष 2003-2004 में बिक्री कीमत में बढ़ोतरी हुई। अतः कीमत में वृद्धि जो लागतों में वृद्धि से कम है, महत्वहीन है।
- घरेलू उद्योग के हिस्से में अत्यधिक कमी आयी है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी को संबद्ध देशों से पाटित आयात द्वारा प्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित किया गया है। बाजार हिस्सा गंवाने के अलावा घरेलू उद्योग संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा पेशकश की जा रही कम कीमत के कारण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।
- घरेलू उद्योग ने दावा किया कि पाटित आयातों के कारण उसने बिक्रियां गंवा दी हैं और संविदाएं/परियोजनाएं गंवाने के संबंध में साक्ष्य प्रदान किया है।

- अपनी औसत कीमतों में कमी करने की घरेलू उद्योग के प्रयास के कारण आधार वर्ष से वर्ष 2003 तक घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में अत्यधिक वृद्धि हुई है। तथापि, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में 2002-2003 और 2003-2004 के पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में कमी आयी है।
- जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता की बिक्रियों में वर्ष 2001-2002 की तुलना में बढ़ोतरी हुई है। तथापि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में पूर्ववर्ती वर्ष 2003-2004 की तुलना में गिरावट आयी है। जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमतों में बढ़ोतरी के संबंध में उन्होंने निवेदन किया कि जांच अवधि के दौरान लागत में वृद्धि का हिस्सा 10% बनता है जबकि घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमतों में केवल 0.28% की वृद्धि कर सका था। इससे साफतौर पर यह प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग की कीमतों में मंदी रही है और उन्हें लाभ अर्जित करने की अनुमति नहीं दी गई है।
- संबद्ध देशों द्वारा पाटन से संबद्ध वस्तु हेतु घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। यह निवेदन किया जाता है कि पाटित आयातों द्वारा अपनायी गई व्यापक कीमत कटौती के कारण घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में कीमत में कोई बढ़ोतरी प्राप्त करने में सक्षम नहीं था। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में अत्यधिक बाजार हिस्से की हानि संबंधी तथ्य के साथ लाभ से घाटे की स्थिति से तीव्र गिरावट आयी।
- प्रति कर्मचारी उत्पादकता में सुधार हुआ है। इससे यह संकेत मिलता है कि उत्पादकता में गिरावट घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं है।
- कर्मचारियों की संख्या और उनको दिये जाने वाले वेतन पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा है।
- पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति इस तथ्य के कारण और अधिक हो जाती है कि ने केवल संबद्ध वस्तुओं की कम कीमत पर भारी बिक्री की जा रही है अपितु संबद्ध देशों के निर्यातक भी अत्यधिक कीमत कटौती में लगे हुए हैं।
- संबद्ध देशों से पाटित आयातों का पहुंच मूल्य उस कीमत से बहुत कम रहा है जो कीमत घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तु की बिक्री पर वसूलनी चाहिए थी। इस उच्चस्तरीय कम कीमत पर बिक्री के क्षति कारक प्रभाव का घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन पर एक प्रत्यक्ष एवं हानिकारक असर पड़ा है।
- घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान घाटा वहन किया है और इसलिए ब्याज से पूर्व आय एवं करों (ईबीआईटी) के आधार पर गणना की गई लगाई गई पूंजी पर आय (आरओसीई) नकारात्मक है।
- जांच अवधि के दौरान प्रत्येक संबद्ध देश से उच्च पाटन मार्जिनों से घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री करने के लिए घरेलू उद्योग के सामने आ रही कठिनाइयों का पता चलता है।
- याचिकाकर्ता ने जांच अवधि में संबद्ध वस्तुओं के अत्यधिक पाटन के कारण घाटा वहन किया है। इससे स्पष्ट रूप से यह पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता के नकदी प्रवाह की स्थिति और खराब हो गई है।
- जांच अवधि के दौरान देश में मांग में आधार वर्ष 2001-2002 की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है जबकि इसी अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 20% से भी अधिक की कमी आयी है। मांग में इस वृद्धि को पाटित आयातों द्वारा प्रत्यक्ष रूप से कवर कर लिया गया है। बाजार हिस्से में कमी से अपने उत्पादों को बेचने में घरेलू उद्योग के सामने आ रही कठिनाइयों और इस बात या स्पष्ट रूप से पता चलता है कि इसने कारण घरेलू उद्योग को घाटा हुआ है। अतः जांच अवधि के दौरान बाजार हिस्से के संबंध में वृद्धि नकारात्मक है।

- पाटित आयातों के कारण हो रही वास्तविक क्षति के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का खतरा भी सन्निकट है।

59. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ के पैरा (VII) के अनुसार पाटित आयातों में वृद्धि की अत्यधिक दर जिसके कारण अत्यधिक कीमत कटौती हुई, के संबंध में सूचना प्रदान की थी। तथापि, निर्यातकों की पर्याप्त मुक्त रूप से प्रयोज्य क्षमताओं और निर्यातकों की माल सूचियों के संबंध में उन्होंने कोई साक्ष्य नहीं दिया है।

## च.2 हितबद्ध पक्षकारों के विचार

60. हितबद्ध पक्षकारों ने अन्य बातों के साथ-साथ तर्क दिया है कि :-

- कुल मांग के प्रतिशत आयात के रूप में संबद्ध देशों से आयात वर्ष 2003-2004 में 35.53% से घटकर जांच अवधि में 32.18% हो गए हैं।
- घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई है।
- अधिकांश याचिकाकर्ता कम्पनियों ने उनके वार्षिक लेखों के अनुसार लगातार लाभप्रदता, विस्तार योजनाएं और अत्यधिक संभावना वाली परियोजना प्रदर्शित की हैं घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है क्योंकि अधिकांश याचिकाकर्ताओं की वार्षिक रिपोर्ट संतुलित परिणाम प्रदर्शित करती हैं।
- घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों और बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है।
- वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार समग्र रूप में याचिकाकर्ताओं के पास नकारात्मक नकदी प्रवाह नहीं है।
- आयातक ने बताया है कि पूंजी निवेश जुटाने और विस्तार करने की क्षमता पर प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि गार्डन सिल्क मिल्स लि० ने एफडीवाई हेतु ऋण के लिए आवेदन किया है।
- क्षति का खतरा आधारहीन है जबि आयातों में गिरावट हुई हो, उत्पादन, क्षमता, उत्पादकता, बिक्री मात्रा और मूल्यों में वृद्धि हुई हो और पंजीगत परिव्यय लिये जा रहे हैं और उनका अनुमान लगाया जा रहा है।

## च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

61. पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में निम्नानुसार लिखा हुआ है :-

क्षति का निर्धारण :

(1) विशेष रूप से उल्लिखित देशों से आयातों के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी एक और जांच परिणाम दर्ज करेंगे कि भारत में ऐसी वस्तु के आयात से किसी स्थापित उद्योग को वास्तविक क्षति होती है अथवा क्षति होने का खतरा है या भारत में किसी उद्योग की स्थापना से वास्तविक रूप से बाधा पहुँचती है।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी इन नियमों के अनुबंध -॥ में विनिर्दिष्ट सिद्धांतों के अनुसार पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं हेतु घरेलू बाजार में कीमत पर उनका प्रभाव और ऐसी आयातों का ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग की क्षति, घरेलू उद्योग को क्षति के खतरे, घरेलू उद्योग की स्थापना में वास्तविक बाधा और पाटित आयातों एवं क्षति के बीच एक कारणात्मक संबंध का निर्धारण करेंगे।

62. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध -II में विनिर्दिष्ट क्षति निर्धारण हेतु सिद्धांतों में यह निर्धारित है कि :-

(क) क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा एवं समान वस्तु हेतु घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और (ख) ऐसे आयातों का ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर परिणामी प्रभाव दोनों की एक वस्तुनिष्ठ जांच शामिल होगी ।

(ख) पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या समग्र अथवा भारत में उत्पादन एवं खपत के सापेक्ष रूप से पाटित आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है । जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है जैसाकि नियम 18 के उप-नियम (2) में उल्लेख किया गया है प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में अत्यधिक मात्रा तक ह्रास करना अथवा कीमत बढ़ोतरी को रोकना है जो अन्यथा अत्यधिक मात्रा तक हो गई होती ।

### च.3 क्षति का संचयी आकलन

63. अनुबंध-II (iii) के अनुसार उन मामलों में जहाँ एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयातों को एक साथ पाटनरोधी जांच के अधीन लाया जाता है वहां प्राधिकारी के लिए ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना अपेक्षित है केवल जब इससे यह निर्धारित होता हो, कि (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में स्थापित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों का 3% है और (ख) आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में उपयुक्त है । प्राधिकारी ने पाया है कि प्रत्येक संबंध देश के संबंध में पाटन मार्जिन 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा भी 3% से अधिक है ।

64. आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों और आयातित उत्पादों तथा समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों का आकलन करने के उद्देश्य से प्राधिकारी नोट करते हैं कि :-

- (i) संबद्ध वस्तुओं का संबद्ध देशों से समान टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत आयात किया गया है;
- (ii) प्राधिकारी ने पाया है कि आयातित संबद्ध वस्तुएं घरेलू रूप से उत्पादित फुली ड्रॉन यार्न के वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीय हैं;
- (iii) प्राधिकारी को प्रस्तुत सूचना से इस बात का उचित संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से किए गए निर्यात उसी बाजार में प्रतिस्पर्धा करते हैं क्योंकि ये समान उत्पाद हैं ।

अतः प्राधिकारी आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर संबद्ध वस्तुओं के आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उपयुक्त पाते हैं ।

**घ.4 भौतिक क्षति**

65. एडीए के अनुच्छेद 3.1 तथा एडी नियमावली के अनुबंध -II में (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; तथा (ख) पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादक पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव दोनों की वस्तुनिष्ठ परीक्षा के लिए प्रावधान है। प्राधिकारियों से यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या आयातों में या तो निरपेक्ष रूप से या आयातक सदस्य में उत्पादन या खपत के संबंध में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारियों से यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या पाटित आयातों द्वारा आयातक देश में समान उत्पादन की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से एक पर्याप्त स्तर तक कीमत में अन्यथा मंदी आई या कीमत वृद्धि में रूकावट आई जो कि अन्यथा एक महत्वपूर्ण स्तर तक आ गई होती।

66. क्षति तथा कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ, उपर्युक्त चर्चा के अनुसार संबद्ध देशों से पाटित आयातों को घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के मात्रात्मक तथा कीमत प्रभाव की पाटन एवं क्षति यदि कोई हो, के बीच, क्षति तथा कारणात्मक संबंध की विद्यमानता की जांच करने के लिए कीमत तथा लाभप्रदता पर इसके प्रभाव की जांच करने के लिए संचय किया गया है। इस जांच के प्रयोजनार्थ, याचिका घरेलू उद्योग के संघटक हैं।

**घ.5 मात्रात्मक प्रभाव: पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव तथा घरेलू उद्योग पर प्रभाव**

67. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा के प्रभाव के साथ-साथ अन्य देशों से पाटित आयातों की निम्नानुसार जांच की गई है :-

**(I) आयात की मात्रा तथा संबद्ध देशों का हिस्सा:**

68. क्षति की जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआई एंड एस आयात आंकड़ों, सहयोगी निर्यातकों के निर्यात आंकड़ों तथा घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए द्वितीयक स्रोतों से आंकड़ों की जांच की। प्राधिकारी नोट करते हैं कि डीजीसीआई एंड एस आंकड़ों में उल्लिखित आयातों की मात्रा तथा संबद्ध देशों से उत्तरदाता निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों में अत्यधिक अंतर है। तथापि, सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न आंकड़ों के निपटान तथा सत्यापन के लम्बित रहने तक डीजीसीआई एंड एस आयात आंकड़ों को इन्हें लेखा में समायोजित करने के पश्चात क्षति जांच के लिए स्वीकार किया गया है। इन आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देशों की मात्रात्मक आयात मात्रा निम्नानुसार हैं :-

मात्रा मीट्रिक में

	2001-02	2002-03	2003-04	जाँच अवधि जन0-दिस0 2005
देश				
इंडोनेशिया	2593.18	5339.96	8680.709	6149.977
कोरिया गणराज्य	1432.01	4646.945	13865.392	9534.32
मलेशिया	2914.315	8732.812	19963.354	36883.05
ताइपेई	3989.307	4644.716	5194.096	6019.416
कुल संबद्ध देश	10928.812	23364.433	47703.551	58586.763
प्रवृत्ति	100	214	436	536
अन्य	1925.51	3153.596	2815.069	2929.175
प्रवृत्ति	100	164	146	152
कुल	12854.322	26518.029	50518.62	61515.938
प्रवृत्ति	100	206	393	479
आयात में संबद्ध देश के हिस्से की प्रवृत्ति	85.02%	88.11%	94.43%	95.24%

69. उपर्युक्त आंकड़े यह इंगित करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा आधार वर्ष की तुलना में बढ़कर 436% हो गई जबकि कुल आयात में लगभग 380% वृद्धि हुई। कुल आयात में संबद्ध देशों से आयात का हिस्सा आधार वर्ष की तुलना में बढ़कर 10% से अधिक हो गया।

## (ii) मांग, उत्पाद तथा बाजार हिस्सा

70. आयातों की मात्रा में वृद्धि की मांग तथा बाजार हिस्से में वृद्धि के संबंध में विश्लेषण किया गया।

71. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयात में न केवल निरपेक्षतः बल्कि कुल आयात, कुल मांग तथा भारत में कुल उत्पादन की तुलना में भी वृद्धि हुई है :-

मात्रा मी. टन में

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
क्षमता	40340	61430	61490	64170
उत्पादन	27141	48986	50666	46780
प्रवृत्ति	100	180	187	172
क्षमता उपयोग	67.28%	79.74%	82.40%	72.90%
प्रवृत्ति	100	119	122	108

72. घरेलू उद्योग के उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में 2002-2003 तथा 2003-2004 के दौरान वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित होने के बाद गिरावट आई। उपर्युक्त आंकड़े यह प्रदर्शित करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में उत्पादन बढ़कर लगभग 72% हो गया लेकिन पिछले वर्ष की तुलना में इसमें काफी गिरावट आई। घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग में 2002-2004 में 82.5% के स्तर को छूने के पश्चात पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 10% की गिरावट आई।

## (क) घरेलू उद्योग की बिक्री

मात्रा मीट्रिक टन में

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
घरेलू बिक्री	23586	39481	46653	44674
प्रवृत्ति	100	167	198	189
आबद्ध खपत	396	847	1423	1281
अन्य घरेलू उत्पादक	35456	28055	37189	38625
प्रवृत्ति	100	79	105	109
कुल घरेलू बिक्री	59438	68384	85265	84580
प्रवृत्ति	100	115	143	142

73. घरेलू उद्योग की बिक्री में आधार वर्ष तथा पिछले वर्ष के बीच लगभग 100% की वृद्धि के पश्चात पिछले वर्ष में काफी गिरावट प्रदर्शित हुई है। समग्रतः घरेलू उत्पादकों की बिक्री में हस्तक्षेप अवधि के दौरान अच्छी वृद्धि दर्शाने के पश्चात पिछले वर्ष मामूली गिरावट का सामना करना पड़ा।

(ख) मांग तथा बाजार हिस्सा

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
घरेलू बिक्री	23586	39481	46653	44674
प्रवृत्ति	100	167	198	189
आबद्ध खपत	396	847	1423	1281
संबद्ध देशों का आयात	10928.812	23364.433	47703.551	58586.763
प्रवृत्ति	100	214	436	536
अन्य देशों का आयात	1925.51	3153.596	2815.069	2929.175
प्रवृत्ति	100	164	146	152
कुल आयात	12854.322	26518.029	50518.62	61515.938
प्रवृत्ति	100	206	393	479
कुल मांग	72293	94902	135784	146096
प्रवृत्ति	100	131	188	202
मांग में हिस्सा				
घरेलू उद्योग	32.63%	41.60%	34.36%	30.58%
प्रवृत्ति	100	128	105	94
अन्य घरेलू उत्पादक	49.04%	29.56%	27.39%	26.44%
प्रवृत्ति	100	60	56	54
कुल घरेलू बिक्री	82.22%	72.06%	62.79%	57.89%
प्रवृत्ति				
संबद्ध देश	15.12%	24.62%	35.13%	40.10%
प्रवृत्ति	100	163	232	265
अन्य देश	2.66%	3.32%	2.07%	2.00%
प्रवृत्ति	100	125	78	75

74. प्राधिकारी पाते हैं कि कुल मांग में घरेलू उत्पादकों का हिस्सा जांच अवधि के दौरान 25% की गिरावट दर्ज करते हुए 82% से गिरकर 58% हो गया। दूसरी और संबद्ध देशों से आयातों का बाजार हिस्सा 2001-2002 में 15% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 40% हो गया। यह स्पष्टतः दर्शाता है कि घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा तथा बाजार में वृद्धि का स्थान संबद्ध देश से आयातों ने सीधे-सीधे ले लिया है। अन्य देशों का घरेलू बाजार में बेहद मामूली हिस्सा है।



## च.6. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

इष्टतम

प्रवृत्ति

75. संबद्ध देशों/क्षेत्रों से पाटित आयातों के आधार पर घरेलू उद्योग की कीमतों के प्रभाव की कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत हास तथा कीमत मंदी, यदि कोई हो, के संबंध में प्रभाव की गई। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ उत्पादन की लागत, भारत औसत निवल बिक्री वसूली (एनएसएल) तथा गैर घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत (एनआईपी) (घरेलू उद्योग की लागत सूचना को सामान्यीकृत करने के पश्चात परिकल्पित) की संबद्ध देशों से आयातों की पहुँच लागत के साथ तुलना की गई।

1987-88

इष्टतम

## (i) कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव

प्रवृत्ति

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
घरेलू बिक्री कीमत				
प्रवृत्ति	100	93	98	102
निर्माण एवं बिक्री की लागत				
प्रवृत्ति	100	97	105	114
पहुँच मूल्य	Rs/MT			
इंडोनेशिया	59349	78965	66533	63925
कोरिया गणराज्य	92284	85862	65462	65118
मलेशिया	79198	78230	60247	57714
ताइपेई	72065	67344	61261	60099
संबद्ध देश	73500	77712	65017	60727
प्रवृत्ति	100	106	86	83
कीमत कटौती				
इंडोनेशिया				85
कोरिया गणराज्य				155
मलेशिया				100
ताइपेई				100
संबद्ध देश	***	***	***	***
कीमत कटौतियों % (पहुँच मूल्य)				
इंडोनेशिया				30-40%
कोरिया गणराज्य				30-40%
मलेशिया				45-55%
ताइपेई				40-50%
संबद्ध देश				40-50%
एनआईपी				***
कम कीमत पर बिक्री				
इंडोनेशिया				***
कोरिया गणराज्य				***

ताइपेई				...
मलेशिया				...
संबद्ध देश				...
कम कीमत पर बिक्री %				
इंडोनेशिया				25-35%
कोरिया गणराज्य				25-35%
मलेशिया				30-40%
ताइपेई				33.65%
संबद्ध देश				32.96%

76. उत्पादन की लागत तथा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत (निवल बिक्री वसूली) आधार वर्ष तथा पिछले वर्ष की तुलना में पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित करती है। तथापि, जांच उत्पादन की लागत आधार वर्ष की तुलना में लगभग 14% से अधिक तथा पिछले वर्ष की तुलना में 90% से अधिक वृद्धि प्रदर्शित करती है वहीं बिक्री वसूली में वृद्धि मात्र 2% है। इसी समय, संबद्ध देशों से आयातों के पहुँच मूल्य में आधार वर्ष की तुलना में लगभग 17% से अधिक की गिरावट प्रदर्शित होती है।

77. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कीमत कटौती संबंधी प्रभाव का निर्धारण, जांच अवधि के लिए ही घरेलू उद्योग की भारत औसत निवल बिक्री वसूली के साथ जांच की समूची अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के भारत औसत पहुँच मूल्य से तुलना करके किया गया है। इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुँच मूल्य को संबद्ध देशों से आयातों के सीआईएफ मूल्य में 1% हैंडलिंग प्रभार तथा प्रयोज्य आधारभूत सीमाशुल्क जोड़कर परिकलित किया गया है।

78. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली का निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित छूट, बट्टा तथा कमीशन तथा प्रदत्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की छूट दी गई है। कीमत कटौती के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों/क्षेत्रों से आयातों की भारत औसत पहुँच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी बिक्री कीमत के साथ की गई।

79. जहां तक कीमत कटौती का संबंध है संबद्ध देशों से आयातों में अत्यधिक कीमत कटौती प्रदर्शित होती है। सभी संबद्ध देशों से आयातों का पहुँच मूल्य, व्यष्टि रूप में तथा संचयी रूप में, प्राधिकारी द्वारा निर्धारित घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत से अत्यधिक कम पाया गया है जो घरेलू उद्योग पर अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री प्रभाव का संकेतक है।

## (ii) पाटित आयातों के कीमत ह्रास तथा मंदी कारक प्रभाव:

80. पाटित आयातों के कीमत ह्रास/मंदीकारक प्रभाव की भी संबद्ध देश से उत्पादन लागत, निवल बिक्री वसूली तथा पहुँच मूल्य के संदर्भ में जांच की गई। संबद्ध वस्तु के उत्पादन की लागत की प्रवृत्ति क्षति जांच अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि प्रदर्शित करती है। तथापि, घरेलू उद्योग, संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कीमत प्रभावों के कारण अपनी पूरी लागत को वसूल करने के लिए लाभदायक कीमत

वसूल करने में असमर्थ रहा। उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग अपने बाजार हिस्से को बनाये रखने के लिए अपनी कीमतें कम करने को आध्य हुआ।

### च.7 अन्य क्षति मानदण्डों की जांच

81. घरेलू उद्योग की मात्रा तथा कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा आयातों की मात्रा तथा मूल्य, क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा घरेलू उद्योग की बिक्री तथा मांग का ढंग सह विभिन्न खण्डों में बाजार हिस्से, अन्य आर्थिक मानदण्डों जैसे प्रमुख क्षति संकेतकों की जांच करने के पश्चात जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति की विद्यमानता दशा सकते थे, प्राधिकारी द्वारा निम्न विश्लेषित किया गया है :-

#### (i) उत्पादकता पर वास्तविक एवं संभाव्य प्रभाव

उत्पादकता				
	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
उत्पादन (मी. टन)	27141.15	48985.76	50665.64	46779.79
कर्मचारी	*****	*****	*****	*****
उत्पादन/कर्मचारी (एमटी)	*****	*****	*****	*****
सूची	100	168.3216	180.45	201.26

क्षति जांच अवधि में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में पर्याप्त सुधार हुआ है।

#### (ii) लाभ पर वास्तविक एवं संभाव्य प्रभाव

लाभ प्रवृत्ता				
	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
लाभ/हानि (रु./इकाई)	***	***	***	***
सूची	100	-2.23	-203.66	-502.68
लाभ/हानि (लाख रु.)	***	***	***	***
सूची	100	-3.73	-402.84	-952.00
% लाभ/हानि	1.61%	-0.04%	-3.28%	-7.74%

82. उत्पादन लागत में उल्लेखनीय वृद्धि और संबद्ध देशों से घटित आयातों की कीमतों के प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग द्वारा कीमत बढ़ाकर लागत की पूर्ति करने में असमर्थता के कारण, घरेलू उद्योग को काफी घाटा हुआ है और क्षति जांच अवधि में घाटे में वृद्धि हुई है।

## (iii) हानि पर वास्तविक एवं संभाव्य प्रभाव

नकद प्रवाह	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
लाभ/हानि (लाख रुपए)	***	***	***	***
जमा: अवमूल्य (लाख रुपए)	***	***	***	***
नकद लाभ/नकद प्रवाह (लाख रुपए)	***	***	***	***
सूची	100.00	137.98	73.07	-36.09
नकद प्रवाह/मी. टन (रु.)	***	***	***	***
सूची	100.00	82.43	36.94	-19.05

उपर्युक्त आंकड़े से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की नकद प्रवाह स्थिति में क्षति जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है।

## (iv) कर्मचारी और मजदूरी

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
कर्मचारियों की संख्या	556	596	575	476
सूची	100	107	103	86
कुल मजदूरी (लाख रुपए)	***	***	***	***
सूची	100.00	148.58	160.78	182.59

83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित आयातों के कारण बिक्री कीमतों के दबाव के परिणामस्वरूप आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कर्मचारियों की संख्या में कटौती की गई है।

## (iv) निवेश पर प्राप्ति और पूंजी जुटाने की क्षमता

निवेश पर प्राप्ति	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
लाभ/हानि (लाख रुपए)	***	***	***	***
जमा: ब्याज	***	***	***	***
ब्याज पूर्व लाभ/हानि	***	***	***	***
लगाई गई पूंजी	***	***	***	***
निवेश पर प्राप्ति	4.67%	4.23%	-0.64%	-8.49%

84. घरेलू उद्योग के वित्तीय कार्य निष्पादन की नकद लाभों की जांच और निवेश पर लाभ से पर्याप्त बिकृति मालूम होती है। लगभग 5% के सकारात्मक लाभ से घरेलू उद्योग अपने निवेशों पर नकारात्मक लाभ में डूब गया है। यद्यपि घरेलू प्रचालनों में नियोजित पूंजी में वृद्धि हुई है परंतु लाभ और निवेश पर लाभ से संबद्ध देशों से पाटित आयातों के दबाव के कारण आधार वर्ष की तुलना में पर्याप्त गिरावट मालूम होती है।

## (v) पूंजी निवेशों को जुटाने की योग्यता और निवेश

अनुसूची (iv)

85. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने इस व्यवसाय में अधिक पूंजी का निवेश नहीं किया है और संयंत्र की क्षमता मामूली सी बड़ी है। प्राधिकारी को यह मालूम हुआ है कि घरेलू उद्योग की क्षमता के और किसी विस्तार के लिए पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर जांच अवधि के दौरान नकारात्मक साक्ष्यों की दृष्टि से प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है।

## (v) पाटन की मात्रा

अनुसूची (iiiiv)

86. इस सीमा के सूचक के रूप में पाटन की मात्रा से, जिस प्रकार तक माटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, यह मालूम होता है कि जांच अवधि के दौरान देशों के विरुद्ध निर्यात पाटन मार्जिन पर्याप्त हैं।

(vi) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

87. लागत ढांचे में परिवर्तन, घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा और प्रतिस्पर्धी प्रतिस्थापकों की कीमतों की उन कारकों का विश्लेषण करने हेतु जांच की गई है जिनसे घरेलू बाजार में कीमतें प्रभावित हो सकती थीं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारत में घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु के कुछ अन्य उत्पादक हैं जो कुल बाजार मांग के लगभग 25% हिस्से को पूरा करते हैं। अनुचित घरेलू प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने हेतु प्राधिकारी के समक्ष कोई वस्तुस्थिति प्रस्तुत नहीं किया गया है जिससे कीमतें प्रभावित हो सकती थीं। संबद्ध देशों से पाटित आयात घरेलू उत्पाद के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए पाए गए हैं और घरेलू बाजार में कीमतों पर प्रभाव पड़ा है।

88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित आयातों के फलस्वरूप संबद्ध देशों से संचयी रूप में कीमतें कटौती का स्तर पर्याप्त है। इसके अतिरिक्त, क्रिसमूल्य पर बिक्री भी स्पष्ट है क्योंकि प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों का पहुँच मूल्य और सभी पाटित स्रोतों से संचयी पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की गैर-क्षति कारक कीमत की तुलना में काफी मात्रा में कम है।

संबद्ध देशों से आयातों का पहुँच मूल्य वर्ष 2002 मार्च, 2003 की तुलना में जांच अवधि के दौरान घटता रहा है। जबकि कच्ची सामग्री की लागत कच्चे तेल की कीमतों के बढ़ने के फलस्वरूप बढ़ गई है। इससे घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव स्पष्ट रूप से मालूम होता है। जहाँ तक घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों का संबंध है यह नोट किया गया है कि उसमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में वृद्धि आयातों में वृद्धि से बहुत कम है जिससे स्पष्ट रूप से यह मालूम होता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों का प्रभाव कम है। घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण इसकी कीमतों में वृद्धि की अनुमति सी प्राप्त नहीं हुई है।

1. है क्योंकि नतीजा यह है कि घरेलू बाजार में कीमतें बढ़ेंगी।

2. है क्योंकि यह नतीजा यह है कि घरेलू बाजार में कीमतें बढ़ेंगी।

3. है कि यह नतीजा यह है कि घरेलू बाजार में कीमतें बढ़ेंगी।

## (vii) मालू सूचिया

स्टॉक	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
घरेलू उद्योग	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	125	103	73

घरेलू उद्योग की माल सूचियां आंकड़ों से माल सूची के भण्डार में काफी गिरावट मालूम होता है।

## (Viii) वृद्धि

89. प्राधिकारी को यह मालूम हुआ है कि आधार वर्ष 2001-2002 की तुलना में जांच अवधि के दौरान देश में मांग में लगभग 100% वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उत्पादकों का बाजार हिस्सा उसी अवधि के दौरान 20% कम हो गया है। इससे यह स्पष्ट मालूम होता है कि मांग में वृद्धि को पाटित आयातों द्वारा सीधे काबू में लिया गया है। इस प्रकार घरेलू उद्योग की बाजार हिस्से में वृद्धि जांच अवधि के दौरान नकारात्मक रही है। यह नोट किया गया है कि बिक्री की मात्राओं, क्षमता उपयोग और लाभकारिता भी नकारात्मक है।

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि				
मांग		31.27%	43.08%	7.59%
आयात		106.30%	90.51%	21.77%
डीआई बिक्रियां		67.39%	18.17%	-4.24%

## च.8 क्षति के संबंध में निष्कर्ष

90. घरेलू उद्योग की स्थितियों की प्रारंभिक जांच के आधार पर प्राधिकारी अंतिम रूप से यह मानते हैं कि :-

- (क) संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा वास्तविक रूप से और कुल मांग के अनुसार और भारत में घरेलू उत्पादन के विचार से बढ़ी है।
- (ख) प्राधिकारकर्ताओं का बाजार हिस्सा कम हो गया है जबकि आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है।
- (ग) आधार वर्ष में सकारात्मक स्तर से जांच अवधि में लाभकारिता, निवेश पर लाभ और नकदी प्रवाह नकारात्मक हो गए थे।
- (घ) चूंकि घरेलू उद्योग के लिए आरओसीई नकारात्मक है इसलिए उनका पूंजी निवेश जुटाने की योग्यता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- (ङ) घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग और बिक्री मात्राएं कम हो गई हैं।
- (च) उद्योग में रोजगार की स्थिति विकृत हो गई है।
- (छ) अत्यधिक कीमत कटौती हुई है और कम कीमत पर बिक्री की गई है।
- (ज) प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन अत्यधिक है।

इसलिए प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुँच हैं कि घरेलू उद्योग को नियमों के अंतर्गत यथा परिकल्पित वास्तविक क्षति हुई है।

**छ. कारणात्मक संबंध और अन्य कारक****(i) पाटित आयातों का प्रभाव**

91. वर्ष 2001-2002 और जांच अवधि के बीच संबद्ध देशों से पाटित आयात उन आयातों के अनुपात के रूप में 95% पर्याप्त रूप से बढ़े हैं। घरेलू उद्योगों के बाजार का हिस्सा 2001-2002 में 82% से घटकर जांच अवधि के दौरान 56% रहा गया है जबकि घरेलू बाजार में मांग में उसी अवधि के दौरान 100% से अधिक बढ़ोतरी हुई है। अन्य स्रोतों से आयात कुल आयातों के अनुपात में और बाजार में मांग की तुलना में बहुत कम हुए हैं। इसलिए, पाटित स्रोतों के अतिरिक्त आयातों का घरेलू उद्योग पर कोई अधिक प्रभाव नहीं हुआ है।

92. कीमत प्रभाव की इस जांच में कि क्या पाटित आयातों से भारत में समान उत्पाद की कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है। प्राधिकारी को यह मालूम हुआ है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम थी जिससे घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में पर्याप्त कटौती हुई। इसके अतिरिक्त, घरेलू कीमतों में कटौती से पाटित आयातों का पूरा प्रभाव मालूम नहीं हुआ क्योंकि घरेलू कीमतों में कम पहुँच मूल्य के कारण ह्रास हो गया था। यह मालूम हुआ था कि कीमत कटौती और आयातों के पहुँच मूल्य के कीमत निर्धारण व्यवहार से घरेलू उद्योग को उत्पादन की लागत से कम कीमतों पर बिक्री के लिए बाध्य होना पड़ा। इसके फलस्वरूप, घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटे हुए। घरेलू उद्योग पाटित आयातों के कारण उत्पादन लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप बिक्री कीमत नहीं बढ़ा सका और उसे जांच अवधि के दौरान वित्तीय घाटे हुए। कीमत कटौती के साथ-साथ कीमत ह्रास से घरेलू उद्योग की लाभकारिता विकृत हो गई। घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई।

**(ii) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा और विदेशी प्रथा और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा**

93. प्राधिकारी को भारतीय उत्पादकों और अन्य प्रतिस्पर्धी उद्योगों द्वारा अपनाई गई कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं मालूम नहीं हुई हैं। घरेलू मांग और घरेलू उद्योग के उत्पादन के बीच अंतर को पूरा करने हेतु घरेलू उद्योग की असमर्थता के बारे में यह टिप्पणी की जा सकती है कि पाटनरोधी शुल्क के लगाए जाने से घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की आपूर्ति के लिए आपूर्तिकर्त्ताओं और उत्पादकों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगा है जिसने घरेलू उद्योग को क्षति में योगदान दिया है।

**(iii) मांग में कमी अथवा खपत के तरीके में परिवर्तन**

94. यह नोट किया गया है कि विचाराधीन अवधि के दौरान समग्र मांग में कोई कमी नहीं आई है। इसके वितरित जांच अवधि के दौरान समग्र मांग में 100% तक वृद्धि हुई है। इसलिए, मांग में संभावित गिरावट ऐसा कोई कारण नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी।

**(iv) प्रौद्योगिकी**

95. हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग और संबद्ध देशों में निर्यातकों द्वारा अपनाई जा रही प्रौद्योगिकी में अंतर से संबंधित मुद्दा उठाया है जिसके फलस्वरूप निर्यातकों को लागत में बचत हुई। तथापि, पर्याप्त साक्ष्य न होने के कारण प्राधिकारी का यह मत है कि प्रौद्योगिकी में कोई अंतर, यदि कोई हो से घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव मालूम नहीं हुआ है।

## (v) निर्यात कार्य-निष्पादन

96. घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के साथ-साथ पिछले वर्षों में संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के निर्यात कार्य निष्पादन में सुधार मालूम हुआ है। घरेलू उद्योग की लाभकारिता और निर्यात वृद्धियों को क्षति के प्रयोजनार्थ अलग-अलग रखा गया है। इसलिए, निर्यातों के कारण हुई क्षति (यदि कोई हो) को घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन के कारण नहीं माना जा सकता।

## (vi) उत्पादकता

97. जहां तक घरेलू उद्योग की उत्पादकता का संबंध है प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान उत्पादकता में सुधार हुआ है। उत्पादकता स्वयं घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं हो सकती।

## झ. क्षति मार्जिन की मात्रा

98. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत कीमत आंकड़ों और डीजीसीआईएस से प्राप्त आंकड़ों के बीच अत्यधिक अंतर है। इसके मिलान और सत्यापन के अध्यक्षीन निर्यातकों के निर्यात कीमत आंकड़ों का अंतिम क्षति मार्जिनों के निर्धारण के प्रयोजनार्थ उत्तरदाता निर्यातकों से वस्तुओं के पहुँच मूल्यों के निर्धारण के लिए प्रयोग किया गया है। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित गैर-क्षति पारक कीमत की तुलना क्षति मार्जिनों के निर्धारण हेतु अंतिम रूप से निर्धारित पहुँच कीमत के साथ की गई है। संबद्ध निर्यातकों और संबद्ध देशों से निर्यातों के भारित औसत क्षति मार्जिनों की गणना इस प्रकार है :-

क्षति मार्जिन की गणना		
कम्पनी का नाम	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %
मै0 पीटी मुतू मैडिंग तकशिला, इंडोनेशिया	*****	-0 to 10%
अन्य निर्यात, इंडोनेशिया	*****	30 to 40%
मै0 एचके कारपोरेशन, कोरिया	*****	10 to 20%
मै0 यासंग कारपोरेशन, कोरिया	*****	-0 to 10%
मै0 शाहिन इंडस्ट्रीज, कोरिया	*****	-25 to 35%
मै0 हुवीस कारपोरेशन, कोरिया	*****	-15 to 25%
अन्य निर्यातक, कोरिया	*****	20 to 30%
मै0 हुयान कोरपोरेशन, कलेशिया	*****	15 to 25%
अन्य निर्यातक, मलेशिया	*****	30 to 40%
मै0 नॉन या प्लास्टिक कोरपोरेशन, चीन ताइपेई	*****	10 to 20%
मै0 चीन मान-मेड फाइबर कोरपोरेशन, चीन ताइपेई	*****	10 to 20%
अन्य निर्यातक, चीन ताइपेई	*****	30 to 40%

## (ट) भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे

99. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन सामान्य तौर पर पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि उचित और खुली प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके।



100. प्राधिकारी यह भी मानते हैं कि यद्यपि संबद्ध वस्तुओं का प्रयोग करते हुए विनिर्मित उत्पादों का कीमत स्तर पाटनरोधी शुल्क लगाने से प्रभावित हो सकता है और उसके पश्चात इन उत्पादों के सापेक्ष प्रतिस्पर्धा पर कुछ प्रभाव हो सकता है। तथापि, भारतीय बाजार में इन पाटनरोधी उपायों से कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन प्रथाओं द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त हो जाएंगे और घरेलू उद्योग का पतन रुकेगा तथा उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु के व्यापक चयन की उपलब्धता बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

(ठ) निष्कर्ष

101 प्राधिकारी पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुँचे हैं :-

- (क) संबद्ध देशों से निर्यातित अथवा वहाँ से मूल की संबद्ध वस्तु उसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर भारत को निर्यात की गई है;
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (ग) घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से निर्यातित अथवा वहाँ के मूल की संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों द्वारा क्षति पहुँचाई गई है।

(ड.) सिफारिशें

102 प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच शुरू की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित की गई थी तथा पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंधों के पहलू पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने हेतु पर्याप्त अवसर दिया गया था। निर्धारित नियमों के अनुसार घरेलू उद्योग को क्षति और पाटन के बीच कारणात्मक संबंध और पाटन, क्षति की प्रारंभिक जांच शुरू करने तथा पूरी करके और संबद्ध देश के विरुद्ध सकारात्मक पाटन मार्जिन को अनंतिम रूप से स्थापित करके तथा ऐसे आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को पहुँचाई गई वास्तविक क्षति सिद्ध करके प्राधिकारी का यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन और क्षति को समाप्त करने हेतु अनंतिम शुल्क लगाया जाना जरूरी है।

103. इसलिए, प्राधिकारी इसे आवश्यक समझते हैं और एतदपश्चात वर्णित रूप में तथा इस ढंग से संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

104. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कम शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के अंतर के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

105. तदनुसार, प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि इंडोनेशिया, कोरिया जनवादी गणराज्य, मलेशिया और चीनी ताइपेई के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ वर्गीकरण अधिनियम, 1975 के अध्याय 54 के अंतर्गत आने वाले फनी ज्ञान यार्न के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचना के जारी करने की तिथि से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाए। पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि होगी।

शुल्क तालिका

क्र.स.	उप-शीर्ष	माल विवरण	का विशेष विवरण	उद्गम देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	हुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	5402.43	फुली ड्राउन यान	कोई	इंडोनेशिया	कोई	मै0 मुतू गैडिंग तक्षशिला, इंडोनेशिया	मै0 पीटी. मुतू गैडिंग तक्षशिया, इंडोनेशिया		एमटी	अम0डा0
2.	5402.43	-वही -	कोई	इंडोनेशिया	कोई	कोई	कोई		एमटी	अम0डा0
3.	5402.43	फुली ड्राउन यान	कोई	इंडोनेशिया से इतर	इंडोनेशिया	कोई	कोई		एमटी	अम0डा0
4.	5402.43	फुली ड्राउन यान	कोई	कोरिया	कोई	मै0 एच.के. कॉर्पोरेशन, कोरिया	मै0 एच.के. कॉर्पोरेशन, कोरिया		एमटी	अम0डा0
5.	5402.43	फुली ड्राउन यान	कोई	कोरिया	कोई	मै0 हयोसुंग कॉर्पोरेशन, कोरिया	मै0 हयोसुंग कॉर्पोरेशन, कोरिया		एमटी	अम0डा0
6.	5402.43	फुली ड्राउन यान	कोई	कोरिया	कोई	मै0 साहिन इंडस्ट्री, कोरिया	मै0 साहिन इंडस्ट्री, कोरिया		एमटी	अम0डा0
7.	5402.43	फुली ड्राउन यान	कोई	कोरिया	कोई	मै0 हुविस कॉर्पोरेशन, कोरिया	मै0 हुविस कॉर्पोरेशन, कोरिया		एमटी	अम0डा0
8.	5402.43	फुली ड्राउन यान	कोई	कोरिया	कोई	कोई	कोई		एमटी	अम0डा0
9.	5402.43	फुली ड्राउन यान	कोई	कोरिया के उत्तर	कोरिया आर0पी0	कोई	कोई		एमटी	अम0डा0
10.	5402.43	फुली ड्राउन यान	कोई	मलेशिया	कोई	मै0 हुआलोन कॉर्पोरेशन	मै0 हुआलोन कॉर्पोरेशन		एमटी	अम0डा0
11.	5402.43	फुली ड्राउन यान	कोई	मलेशिया	कोई	कोई	कोई		एमटी	अम0डा0
12.	5402.43	फुली ड्राउन यान	कोई	मलेशिया से इतर	मलेशिया	कोई	कोई		एमटी	अम0डा0
13.	5402.43	फुली ड्राउन यान	कोई	चीन ताइपेई	कोई	मै0 नॉन या प्लास्टिक्स कॉर्पोरेशन	मै0 नॉन या प्लास्टिक्स कॉर्पोरेशन		एमटी	अम0डा0
14.	5402.43	फुली ड्राउन यान	कोई	चीन ताइपेई	कोई	मै0 चीन मान-मेड फाइबर कॉर्पोरेशन	मै0 चीन मान-मेड फाइबर कॉर्पोरेशन		एमटी	अम0डा0
15.	5402.43	फुली ड्राउन यान	कोई	चीन ताइपेई	कोई	कोई	कोई		एमटी	अम0डा0
16.	5402.43	फुली ड्राउन यान	कोई	चीन ताइपेई से इतर	चीन ताइपेई	कोई	कोई		एमटी	अम0डा0

## उ. अगली प्रक्रिया

106. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के पश्चात निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:—

(क) अधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं। और उस पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा। ऐसी टिप्पणियां इस अधिसूचना की तिथि से चालीस दिन के भीतर प्रस्तुत की जानी चाहिए।

(ख) निर्यातक, आयातक, याचिकाकर्ता और ज्ञात अन्य हितबद्ध पक्षकार अपने विचार इन प्रारंभिक जांच परिणामों की तिथि से चालीस दिन के भीतर ज्ञात करा सकते हैं।

(ग) अधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे जांच करेंगे।

(घ) अधिकारी मौखिक निवेदनों, जिनके लिए सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को अलग से तारीख और समय पर सूचित किया जाएगा, के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान करेंगे।

(ङ) अधिकारी पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पहले आवश्यक तथ्यों को भी प्रकट करेंगे।

क्रिस्टी फर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd July, 2006

**Preliminary Findings**

**Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of All Fully Drawn or Fully Oriented Yarn/Spin Draw Yarn/Flat Yarn from Indonesia, Korea, Malaysia and Taiwan.**

**F.No. 14/3/2005-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

**A. PROCEDURE**

2. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from M/s Association of Synthetic Fibre Industries (hereinafter referred to as the Applicant) on behalf of domestic producers namely M/s Central India Polyesters Ltd., M/s Century Enka Ltd., M/s Garden Silk Mills Ltd., M/s Nova Petrochemicals Ltd., M/s Recron Synthetics Ltd. and M/s Welspun Syntex Ltd., alleging dumping of Fully Drawn or Fully Oriented Yarn / Spin Draw Yarn / Flat Yarn of Polyester (herein after referred to as subject goods) from Indonesia, Republic of Korea, Malaysia and Chinese-Taipei (herein after referred to as subject countries) and requested for Anti Dumping investigations and levy of anti dumping duties on the subject goods.

ii) Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were rectified by the applicants;

iii) The Authority notified the Embassies of subject countries in India about the receipt of dumping application made by the petitioners before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;

iv) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 27<sup>th</sup> June 2005 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

v) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, importers/users and to the complainant and gave them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the publication of initiation notification in accordance with the Rule 6(2):

vi) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the application to the following known exporters and Embassies of subject countries in India;

1. M/s Hualon Corporation (M) SDN BHD, Malaysia.
2. M/s Tongkook. Corporation, Korea
3. M/s Hyosung, Korea
4. M/s PT Polysindo Eka Perkasa Terbuka, Indonesia.
5. M/s Nan ya Plastics, Taiwan, Taiwan

vii) The Embassies of the subject countries were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to them;

viii) A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4):

1. M/s Shree Krishna Trading Company
2. M/s Saheli Vastra Udyog Ltd.
3. M/s Ramgopal Polytex Limited
4. M/s Boghara Polyfab Private Limited
5. M/s Kansal Texo-Tube Pvt. Ltd.
6. M/s Jaylon Impex India Private Limited
7. M/s Aasu Exim Pvt. Ltd.
8. M/s Kiran Industries
9. M/s Shyam Sunder Textiles
10. M/s Kapi Textile
11. M/s Shivam Textiles
12. M/s Soham Textiles
13. M/s Indian Cotton Mills Federation
14. M/s Federation of Indian Art Silk & Weaving Industry

(ix) A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.

(x) Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following exporters/producers

1. M/s P.T. Mutu Gading Tekstil (Indonesia)
2. M/s H.K. Corporation (Korea)
3. M/s Hyosung Corporation (Korea)
4. M/s Saehan Industry (Korea)
5. M/s Huvis Corporation (Korea)
6. M/s Hualon Corporation (Malaysia)
7. M/s Nan Ya Plastics Corporation (Chinese Taipei)
8. M/s China Man-Made Fiber Corporation, (Chinese Taipei)

xi) Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following Importers/user/Associations:-

1. M/s All India Yarn Importers Association
2. M/s Federation of Indian Art Silk & Weaving Industry

xii) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).

xiii) Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the applicant so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.

xiv) \*\*\*\* in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules on merits

xv) Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> January 2004 to 31st December 2004 (12 months) i.e. the period of investigation (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from April 2001 - March 2002, April 2002 – March 2003 and April 2003 – March 2004 and the POI.

**B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION, LIKE ARTICLE AND DOMESTIC INDUSTRY:**

**B.1 PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

3. The product involved in the present investigation is All Fully Drawn or Fully Oriented Yarn / Spin Draw Yarn / Flat Yarn of Polyester (non-textured and non-POY) and other yarns conforming to the tariff description of customs heading 5402.43 (hereinafter also referred to as subject goods). The above-mentioned product in commercial market parlance is generally known as 'Fully Drawn Yarn'. The subject goods are used for manufacture of apparel / household textiles, and other industrial textiles. Technical specifications of the subject goods are defined in terms of their deniers, tenacities, lustres, colours (like semi dull, bright, super bright, full dull, Dope dyed), cross section and shrinkage

**B.2 LIKE ARTICLE**

4. The applicants have claimed that the subject goods, which are being dumped into India, are identical to the goods produced by the domestic industry. There are no differences either in the technical specifications, quality, functions or end-uses of the dumped imports and the domestically produced subject goods. The Authority notes that neither the exporters nor the interested parties have disputed the fact that there is no difference in the dumped goods and the product under consideration manufactured by the petitioners and subject countries are like articles. The Authority observes that the imported goods are used by the user industry interchangeably with the goods produced by the domestic industry. The subject goods produced by the domestic industry and produced by the subject countries being technically and commercially substitutable, are 'like articles' under the Anti Dumping Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation the subject goods produced by the applicants in India are being treated as like Article to the subject goods being imported from the subject countries

**C. DOMESTIC INDUSTRY**

5. The application has been filed by M/s Association of Synthetic Fibre Industries, New Delhi along with the following producers of subject goods in India:

- (i) M/s Central India Polyesters Ltd Nagpur, Maharashtra
- (ii) M/s Century Enka Ltd. Raigad, Maharashtra.
- (iii) M/s Garden Silk Mills Ltd, Surat, Gujarat.
- (iv) M/s Nova Petrochemicals Ltd, Ahm

- (v) M/s Recron Synthetics Ltd., Allahabad, Uttar Pradesh.
- (vi) M/s Welspun Syntex Ltd., Thane, Maharashtra.

6. The Authority notes that the collective production of the aforesaid producers constitutes a major proportion of the total domestic production of the domestic like article. The Authority determines that aforesaid applicants satisfy the criteria of standing to file the application on behalf of the domestic industry in terms of Rule 5(3)(a) and represent the domestic industry within the meaning of Rule 2 (b) of the Rules supra. The Authority also notes that there are no arguments from the interested parties or the exporters that the applicants do not meet the criteria of standing as laid down under the Rules.

#### **D. VIEWS OF THE INTERESTED PARTIES**

7. The Authority notes that All India Yarn Importers Association and Federation of Indian Art Silk & Weaving Industry have filed certain submissions without any questionnaire response from any of the importers of the subject goods. These parties, vide letter dated 26<sup>th</sup> April 2006, were asked to substantiate their claim that the importers association is an interested party within the meaning of Rule 2© by producing list of members and evidence that majority of the members of this association are importers of the subject goods. They were also advised to file importers questionnaire response as their response was of vital importance in this case in view of significant difference between the exporters' data and DGCIS data. However, these associations have not responded to this letter.

8. However, these associations/federations in their general submissions have made the following arguments:

- The petitioners have not excluded any yarn of the nomenclature, quality and type that are not produced by the domestic industry. No meaningful segregation of the data has been done. A huge variety of yarns like polyester high tenacity yarns above 4.5 denier, polyester flame retardant yarns, Teflon treated polyester yarn, are imported which are not manufactured in India.
- The petitioner has not differentiated between different processes and cost effectiveness associated with them. It has been argued that the producers may start from PTA, MEG, Chips, POY/LOY stages and the cost structure would be different for different routes;
- Comparison of the subject goods without factoring in aspects of quality and technology and without segregating the data of imports and domestic production would lead to highly skewed results;

9. They have also raised the issue of excess confidentiality claims of the domestic industry, inadequate segregation of the import data and current

performance of the domestic industry and have argue that dumping and injury cannot be established on the basis of the petition filed by the domestic industry. However, the Authority notes that the responding associations have not filed any verifiable information to assist the Authority in its determination of dumping and injury. The associations have also not established their claims to represent the importers or users of the subject goods.

#### **E. DETERMINATION OF DUMPING MARGIN**

10. Under Section 9A(1)(c) of the Customs Tariff (Amendment) Act 1995 normal value in relation to an article means:

"(i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section(6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either –

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6)";

11. The Authority note that 4 exporters from Korea RP, two exporters from Chinese Taipei and one exporter each from Malaysia and Indonesia have cooperated in the investigation and filed detailed questionnaire responses. The preliminary dumping determinations have been based on the responses filed by the cooperating exporters and other facts available with the Authority as follows:

##### **E.1 Indonesia**

12. In response to the initiation notification only one exporter of the subject goods from Indonesia i.e., M/s P.T. Mutu Gading Tekstil, Indonesia has furnished the questionnaire response. On the basis of preliminary examination certain deficiencies were communicated to the exporter and the exporter vide letter dated 5<sup>th</sup> May 2006, submitted clarification to the same. Further clarifications were asked from the exporter on certain appendices to the questionnaire response vide letter dated 7<sup>th</sup> June 2006. Pending verification of various claims



made and clarifications given by the exporter and reconciliation of export data, the dumping margins for this cooperating exporter and other exporters from Indonesia have been provisionally estimated as follows:

#### **E.1.1 M/s P.T. Mutu Gading Tekstil**

##### **a) Normal value**

13. The exporter has reported about \*\*\* MT of sales of the subject goods in its domestic market during the POI. Pending verification of their claims and clarifications provided, for the purpose of preliminary findings, the Authority has provisionally determined the normal value for the exporter on the basis of domestic sales transactions after subjecting the same to ordinary course of trade test for the respective PCNs of the exporters. Adjustment towards direct and indirect selling expenses has been allowed based on the domestic sales data provided, to determine PCN-wise normal values at the ex-factory level.

##### **b) Export Price**

14. As per the response filed, this exporter sold \*\*\*\* MT of the subject good in the Indian market during the POI. Pending verification and reconciliation of data, for the purpose of preliminary finding, the average export price of individual PCNs as reported by the exporter has been used for provisional determination of the export price. The exporter has reported several transactions on FOB basis and certain transactions on CIF basis. The Authority notes that the exporter has not made any adjustment towards packing, insurance and handling charges etc. Therefore, adjustments towards, inland and ocean freights, credit costs, discounts have been made to arrive at net ex-works export price based on exporter's response, subject to further clarification and verification of the elements of adjustments and actual transaction prices. On the basis of this data average export price provisionally works out as US\$\*\*\* /PMT.

##### **c) Dumping margin**

15. On the basis of the above normal value and export price, the dumping margins for individual PCNs have been worked out and weighted average dumping margin has been provisionally estimated for this cooperating exporter as US\$\*\*\* /PMT (10.35%).

#### **F.1.2 Other Exporters from Indonesia**

##### **a) Normal value**

16. The Authority finds that no other exporter from Indonesia has responded to the prescribed questionnaire. The Authority has, thus, determined the Normal Value in respect of other exporters on the basis of facts available as per Rule

6(3). The Authority for the purpose of preliminary findings determined the normal value for other exporters on the basis of weighted average of highest transactions of price of the cooperating exporter from this country. Accordingly, normal Value for all other exporters from Indonesia been provisionally assessed as US\$ \*\*\* /PMT.

**b) Export Price**

17. Net Export Price of all non-cooperating exporters from Indonesia has been worked out based on the weighted average CIF price of import reported in DGCIS data after allowing for adjustments towards inland and ocean freights and insurance, discounts and rebates, etc. have been made to arrive at net ex-works export price based on facts available. Accordingly, net export price for all other exporters from Indonesia provisionally works out to US\$\*\*\* /PMT.

**c) Dumping margin**

18. On the basis of the above weighted average normal value and export price, the weighted average dumping margin for the non-cooperating exporters from Indonesia has been provisionally estimated as US\$\*\*\* /PMT (80%).

**E.2 Korea RP**

19. The Authority notes that in response to the initiation notification the following exporters from Korea RP have filed their questionnaire responses.

1. M/s H.K. Corporation (Korea)
2. M/s Hyosung Corporation (Korea)
3. M/s Saehan Industry (Korea)
4. M/s Huvis Corporation (Korea)

Responses of these responding exporters have been examined and preliminary dumping determination has been made as follows:

**E.2.1 M/s H.K. Corporation**

20. Questionnaire response of M/s H.K. Corporation, Korea was examined and on the basis of preliminary examination certain deficiencies were communicated to the exporter and the exporter has submitted clarification to the same. Further clarifications have been asked from the exporter on certain appendices to the questionnaire response, vide letter dated 7<sup>th</sup> June 2006. Pending verification and reconciliation of the data and clarifications submitted by the exporter on various aspects of its response, dumping margins for this cooperating exporter from Korea RP has been provisionally estimated as follows:

**a) Normal value**

21. This exporter has reported \*\*\* MT of domestic sales of various types of the subject goods in its domestic market and has claimed normal value based on the domestic sales of the subject goods. The exporter has also claimed adjustments towards inland freight, credit expenses and packing expenses to arrive at the normal value at the ex-factory level. Subject to verification of cost of production and other claims for adjustments made by the exporter, for the purpose of preliminary findings, the normal value for this exporter has been provisionally determined on the basis of domestic transactions of the model matched PCNs. Adjustment on direct and indirect selling expenses has been allowed based on the domestic sales data provided, subject to verification.

**b) Export Price**

22. The exporter has reported export of \*\*\* MT of the subject goods to India during the POI falling under 3 PCNs. Pending reconciliation and verification of the export data, for the purpose of preliminary finding, the PCN-wise average export price for the exporter has been determined based on the transaction-wise data provided by the exporter. Adjustments towards, inland and ocean freights and insurance, credit costs, discounts and rebates, packing costs, handling and customs expenses, bank charges and duty drawbacks have been made to arrive at net ex-works export price based on exporter's response. On the basis of this data weighted average export price provisionally works out as US\$\*\*\* /PMT.

**c) Dumping margin**

23. On the basis of the above PCN-wise ex-works normal values and net ex-works export prices, the weighted average dumping margin for this exporter has been provisionally estimated as US\$\*\*\* /PMT (8.60%).

**E.2.2 M/s Hyosung Corporation, Korea RP**

24. Questionnaire response of M/s Hyosung Corporation, Korea RP was examined and on the basis of preliminary examination certain deficiencies were communicated to the exporter and the exporter has submitted clarification to the same. Further clarifications have been asked from the exporter, vide letter dated 7<sup>th</sup> June 2006, on certain appendices to the questionnaire response. Pending verification of the data and various claims made by the exporters and clarifications submitted, dumping margins for this cooperating exporter from Korea RP has been provisionally estimated as follows:

**a) Normal value**

25. This exporter has about \*\*\* MT of domestic sales of several types of the subject goods in its home market. Pending reconciliation and verification of the data, for the purpose of the preliminary determination the net ex-factory normal

value has been determined based on the domestic transaction prices of model matched transactions in the ordinary course of trade, after allowing for adjustments towards discounts, inland freights, rebates, packing expenses and credit costs etc. as per the exporters questionnaire response.

**b) Export Price**

26. The Authority notes that this exporter has reported \*\*\* MT of export of the subject goods to India during the POI covering 8 PCNs. Pending reconciliation and verification of export data, for the purpose of preliminary finding the transaction-wise export data of the cooperating exporter has been used for provisional determination of the export price for individual PCNs. Adjustments towards, inland and ocean freights and insurance, credit costs, discounts and rebates, packing costs have been made to arrive at net ex-works export price based on exporter's response. Weighted average net export price has been provisionally determined as US\$\*\*\* /PMT.

**c) Dumping margin**

27. On the basis of the above ex-works normal values and net ex-works export prices determined at the PCN level, weighted average dumping margin has been provisionally determined for this exporter as US\$\*\*\* /PMT (14.85%).

**E.2.3 M/s Saehan Industry, Korea RP**

28. Questionnaire response of M/s Saehan Industry, Korea RP was examined and on the basis of preliminary examination, certain deficiencies were communicated to the exporter and the exporter has submitted clarification to the same. Further clarifications have been asked from the exporter on certain appendices to the questionnaire response. Pending verification of the data and various claims made by the exporters and clarifications submitted, dumping margins for this cooperating exporter from Korea RP has been provisionally estimated as follows:

**a) Normal value**

29. This exporter has reported domestic sale of \*\*\* MT of the subject goods in its domestic market and has also provided the cost data of the individual PCNs. Therefore, for the purpose of preliminary findings, the normal value for the exporter has been provisionally determined at PCN levels on the basis of domestic sales transactions in the ordinary course of trade subjected to submission of additional information sought and verification of the same. Adjustment on direct and indirect selling expenses towards inland freight, packing expenses and credit costs have been allowed based on the domestic sales data provided, to bring the Normal value to ex-factory level.

**b) Export Price**

30. This exporter has exported about \*\*\* MT of different types the subject goods to India during the POI. Pending reconciliation and verification of export data, for the purpose of preliminary finding the transaction-wise export data of the cooperating exporter has been used for provisional determination of the export price for individual PCNs. The exporter has claimed adjustment towards duty drawbacks received by them against these export transactions. Pending verification of these claims, provisionally adjustments towards, inland and ocean freights and insurance, credit costs, discounts and rebates, packing costs and duty drawbacks have been made to arrive at net ex-works export price based on exporter's response. On the basis of this data weighted average export price provisionally works out as US\$\*\*\* /PMT.

**c) Dumping margin**

31. On the basis of the above ex-works normal values and net ex-works export prices, the weighted average dumping margin for this exporter has been provisionally estimated as US\$ (-)\*\*\* /PMT. Thus the dumping margin is negative for this exporter.

**E.2.4 M/s Huvis Corporation, Korea RP**

32. Questionnaire response of M/s Huvis Corporation, Korea was examined and on the basis of preliminary examination certain deficiencies were communicated to the exporter and the exporter has submitted clarification to the same. Further clarifications have been asked from the exporter on certain appendices to the questionnaire response. Pending clarifications sought and verification of various claims made by the exporter dumping margins for this cooperating exporter from Korea RP has been provisionally estimated as follows:

**a) Normal value**

33. This exporter has reported sale of \*\*\* MT of the subject goods in the domestic market and has also provided the cost data of the individual PCNs. Therefore, for the purpose of preliminary findings, the normal value for the exporter has been provisionally determined at PCN levels on the basis of domestic sales transactions in the ordinary course of trade subjected to submission of additional information sought and verification of the same. Adjustment on direct and indirect selling expenses towards inland freight, packing expenses and credit costs have been allowed based on the domestic sales data provided, to bring the Normal value to ex-factory level.

**b) Export Price**

34. This exporter has exported about \*\*\* MT of the subject goods to India during the POI covering 9 PCNs. Pending reconciliation and verification of export data, for the purpose of preliminary finding the transaction-wise export data of the cooperating exporter has been used for provisional determination of the export price for individual PCNs. The exporter has claimed several adjustments on the export price, including the duty drawbacks on the exports. Pending verification of these claims, adjustments towards, inland and ocean freights and insurance, credit costs, discounts and rebates, packing costs have been made to arrive at net ex-works export price based on exporter's response. On the basis of this data weighted average export price provisionally works out as US\$\*\*\* /PMT.

**c) Dumping margin**

35. On the basis of the above ex-works normal values and net ex-works export prices, the weighted average dumping margin has been provisionally estimated for this cooperating exporter as US\$ (-)\*\*\* /PMT. Thus the dumping margin is negative for this exporter.

**E.2.5 Other Exporters from Korea RP****a) Normal Value**

36. For other non-cooperating exporters from Korea RP the Authority has determined the Normal Value on the basis of facts available as per Rule 6(8). For the purpose of this determination highest normal value provisionally estimated for the cooperating exporter has been adopted as the normal value for all other exporters in Korea RP. Accordingly, the weighted average normal value has been provisionally determined as US\$\*\*\* PMT.

**b) Export Price**

37. Net Export Price of all non-cooperating exporters from Korea RP has been worked out provisionally based on facts available. For the purpose of this determination the lowest export price of the cooperating exporters from Korea RP has been adopted as the weighted average net export price for all other exporters from Korea RP. Accordingly, net export price for all other exporters from Korea RP provisionally works out to US\$\*\*\* /PMT.

**c) Dumping Margin**

38. Based on the Normal value and export price determined, the dumping margin for all other exporters of the subject goods from Korea RP has been provisionally determined as US\$\*\*\* /PMT (45%).

### **E.3 Malaysia**

39. The Authority notes that only one exporter from Malaysia i.e., M/s M/s Hualon Corporation has cooperated in this investigation and has filed a detailed questionnaire response.

#### **E.3.1 M/s Hualon Corporation**

40. Questionnaire response of M/s Huvis Corporation, Korea was examined and on the basis of preliminary examination certain deficiencies were communicated to the exporter and the exporter has submitted clarification to the same. Further clarifications have been asked from the exporter on certain appendices to the questionnaire response. Pending clarifications sought and verification of various claims made by the exporter dumping margins for this cooperating exporter from Korea RP has been provisionally estimated as follows:

##### **a) Normal Value**

41. This exporter has reported a very small volume (\*\* MT) of domestic sales of the subject goods in their home market during the POI against export of \*\* MT to India during the same period. Therefore, the sales in the home market are not representative for determination of the normal value for this exporter. The exporter has provided the details of their third country exports to a number of countries during the same period. Total third country exports of this exporter during the POI were about 60386 MT. Exports to Turkey represents the highest volume of third country exports (\*\* MT). The exporter has provided the transaction-wise details of the exports to Turkey which has been examined for determination of normal value for this exporter in terms of the first proviso of Article 2.2 of ADA. The exporter has not provided PCN-wise cost data of the subject goods. Therefore, for the purpose of this determination the sales to Turkey, in the ordinary course of trade, has been considered and weighted average ex-works normal value based on the third country sales to turkey has been provisionally worked out a US\$\*\* / PMT, subject to verification of the transactions, cost data of the exporter and various adjustments claimed.

##### **b) Export Price**

42. This exporter has exported about \*\* MT of the subject goods to India during the POI covering several PCNs. Pending reconciliation and verification of export data, for the purpose of preliminary finding the transaction-wise export data of the cooperating exporter has been used for provisional determination of the weighted average export price. Adjustments towards, inland and ocean freights and insurance, credit costs, discounts and rebates, packing costs have been made to arrive at net ex-works export price based on exporter's response. On the basis of this data weighted average export price provisionally works out as US\$\*\* /PMT.

**c) Dumping Margin**

43. On the basis of the above normal value and export price, the weighted average dumping margin has been provisionally estimated for this cooperating exporter as US\$ \*\*\* /PMT (10.74%).

**E.3.2 Other Exporters from Malaysia****a) Normal Value**

44. The Authority finds that no other exporter from Malaysia has responded to the prescribed questionnaire. The Authority has, thus, determined the Normal Value in respect of other exporters on the basis of facts available as per Rule 6(8) for the purpose of preliminary findings on the basis of constructed cost of production. The Normal Value is thus provisionally determined as US\$ \*\*\* /PMT.

**b) Export Price**

45. Net Export Price of all non-cooperating exporters from Malaysia has been worked out provisionally based on facts available. For the purpose of this determination the weighted average CIF export price as reported in DGCIS data has been adopted and adjustments towards inland and ocean freight, insurance, handling charges etc. has been applied based on facts available to arrive at net ex-works price. Accordingly, net export price for all other exporters from Malaysia provisionally works out to US\$\*\*\* /PMT

**c) Dumping Margin**

46. Based on the Normal value and export price determined, the dumping margin for all other exporters of the subject goods from Malaysia has been provisionally determined as US\$\*\*\* /PMT (41%).

**E.4 Chinese Taipei**

47. The Authority notes that only two exporters of the subject goods in Chinese Taipei, namely M/s Nan Ya Plastics Corporation, and M/s China Man-Made Fiber Corporation, Chinese Taipei, have filed their questionnaire response to this investigation. The dumping margin for the exporters of the subject goods from the subject country has been determined as follows:

**E.4.1 M/s Nan Ya Plastics Corporation**

48. Questionnaire response of Nan Ya Plastic Corporation was examined and on the basis of preliminary examination certain deficiencies were communicated to the exporter and the exporter has submitted clarification to the same. Further



clarifications have been asked from the exporter on certain appendices to the questionnaire response. Pending clarifications sought and verification of various claims made by the exporter dumping margins for this cooperating exporter from Korea RP has been provisionally estimated as follows:

**a) Normal value**

49. This exporter has reported \*\*\* MT of domestic sales of several types of the subject goods in Taipei market. The exporter has also provided PCN-wise cost data of their domestic sales. Therefore, pending reconciliation and verification of the data for the purpose of preliminary findings, the normal value for the exporter has been provisionally determined at PCN levels on the basis of domestic sales transactions, in the ordinary course of trade, subjected to submission of additional information sought and verification of the same. Adjustment on direct and indirect selling expenses towards inland freight, packing expenses and credit costs have been allowed based on the domestic sales data provided, to bring the Normal value to ex-factory level.

**b) Export Price**

50. The exporter has reported export of \*\*\*\*\* MT of the subject goods to India during the POI covering 4 different models/types. Pending reconciliation and verification of the exports and import data and other information submitted by this exporter, for the purpose of preliminary finding, the export price has been determined on the basis of the transaction price reported by the exporter. Adjustments towards, inland and ocean freights and insurance, credit costs, discounts and rebates, packing costs etc. have been made to arrive at net ex-works export price based on exporter's response. On the basis of this data weighted average export price provisionally works out as US\$\*\*\* /PMT.

**c) Dumping Margin**

51. On the basis of the above normal value and export price, the dumping margin for this exporter has been provisionally estimated for this cooperating exporter as US\$ \*\*\* /PMT (4.25%).

**E.4.2 M/s China Man-Made Fiber Corporation, Chinese Taipei**

52. Questionnaire response of this exporter from Chinese Taipei was examined and on the basis of preliminary examination certain deficiencies were communicated to the exporter and the exporter has submitted clarification to the same. Further clarifications have been asked from the exporter on certain appendices to the questionnaire response. Pending clarifications sought and verification of various claims made by the exporter dumping margins for this cooperating exporter from Korea RP has been provisionally estimated as follows:

**a) Normal value**

53. This exporter has reported \*\*\* MT of domestic sales of several types of the subject goods in Taipei market. The exporter has also provided the cost of production of individual PCNs. Therefore, pending reconciliation and verification of the data, for the purpose of the preliminary determination the net ex-factory normal value has been determined at the PCN levels based on the domestic transaction prices of model matched transactions in the ordinary course of trade, after allowing for adjustments towards discounts, inland freights, rebates, packing expenses and credit costs etc. as per the exporters questionnaire response. The exporter has also claimed a level of trade adjustment without explaining how that has been computed. Therefore, for the purpose of provisional determination such adjustment has not been allowed.

**b) Export Price**

54. The exporter has reported export of \*\*\* MT of the subject goods to India during the POI covering 7 PCNs. Pending reconciliation and verification of the exports and import data and other information submitted by this exporter, for the purpose of preliminary finding, the export prices for individual PCNs have been determined on the basis of the transaction prices reported by the exporter. The exporter has claimed certain adjustments towards sticky price loss and mixed grades without explaining how these adjustments have been worked and basis of such adjustments. Therefore, for the purpose of provisional determinations such adjustments have not been accepted. However, adjustments towards freights and mixed grades have been made provisionally to arrive at net ex-works export price based on exporter's response. On the basis of this data weighted average export price provisionally works out as US\$\*\*\* /PMT.

**c) Dumping Margin**

55. On the basis of the above normal values and export prices, the dumping margins for individual PCNs have been determined and the weighted average dumping margin for this exporter has been provisionally estimated as US\$ \*\*\* /PMT (21.23%).

**E.4.3 Other Exporters from Chinese Taipei**

56. The Authority finds that no other exporter from Chinese Taipei has responded to the prescribed questionnaire. The Authority has, thus, determined the Normal Value in respect of other exporters on the basis of facts available as per Rule 6(8). The Authority for the purpose of preliminary findings determined the normal value for other exporters on the basis of constructed cost of production. The Normal Value is thus determined as US\$ \*\*\* /PMT. The export price has been determined on the basis of CIF import price as per DGCIS data

after allowing for adjustments towards freight and insurance etc. as per facts available. Net ex-works export price works out as US\$\*\*\* / PMT. Accordingly, dumping margin for all non-cooperating exporters from Chinese Taipei works out to US\$\*\*\* / PMT (42%)

### E.5 Dumping Margin Summary

57. On the basis of the above determination the dumping margin for the exporters in the subject countries works out as under:

Country/Territory	Exporters/Manufacturers	Dumping Margins US\$/ MT	Dumping Margin (%)
Indonesia	M/s P.T. Mutu Gading Tekstil	*****	10.35%
Indonesia	All Others	*****	80%
Korea RP	M/s H.K. Corporation	*****	8.60%
Korea RP	M/s Hyosung Corporation	*****	14.85%
Korea RP	M/s Saehan Industry	*****	Negative
Korea RP	M/s Huvis Corporation	*****	Negative
Korea RP	All Others	*****	45%
Malaysia	M/s Hualon Corporation	*****	10.74%
Malaysia	All Others	*****	41%
Chinese Taipei	M/s Nan Ya Plastics Corporation	*****	4.25%
Chinese Taipei	M/s China Man-Made Fiber Corporation	*****	21.23%
Chinese Taipei	All Others	*****	42%

## F INJURY AND CAUSAL LINK EXAMINATION

### F.1 VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

58. The domestic industry has furnished information in the application regarding injury in respect of all the parameters. The domestic industry has inter alia claimed that

- Absolute imports from subject countries have increased almost 4 times of the imports during 2001-02. Imports as percentage of total imports have increased have also increased. Further, imports from subject countries in comparison to the total demand and domestic production of the subject goods have also increased.
- The landed price from subject countries has declined drastically during the POI whereas at the same time the cost of raw material has increased as a

result of the soaring crude oil prices. It is also submitted that the selling price in the year 2003-2004 increased as a direct consequence of the increase in the raw material prices. Therefore, the price increase, which is less than the increase in costs, is inconsequential.

- The share of the domestic industry has declined significantly. The loss of market share of domestic industry has directly been taken over by the dumped import from the subject countries. Besides the loss of market share, the domestic industry is getting severely affected due to the low price offered by the exporters from the subject countries.
- The domestic industry claimed that due to the dumped imports, it had lost sales and provided evidence regarding loss of contracts/projects.
- The capacity utilization of the domestic industry has increased significantly from the base year till 2003 due to the effort of the domestic industry to reduce its average costs. However, the capacity utilization of the domestic industry during the period of investigation has come down as compared to previous years 2002-03 and 2003-04.
- The sales of the petitioner went up during POI in comparison to the year 2001-02. However, the sales volume of the domestic industry has come down during the period of investigation as compared to previous year 2003-04. With respect to increase in selling prices over the investigation period, they submitted that the increase in cost accounts for 10% over the investigation period whereas the domestic industry could increase its selling prices merely by 0.28%. It clearly shows that the prices of the domestic industry have been suppressed and not allowed to earn profits.
- Dumping by the subject countries had a significant adverse impact on the net sales realization of the domestic industry for the subject goods. It is submitted that due to the large scale price undercutting adopted by the dumped imports, the domestic industry was not able to get any price increase during the period of investigation as compared to previous year. The profitability of the domestic industry declined sharply from a profit to a loss-making situation during the period of investigation, coupled with the fact of loss of significant market share.
- The productivity per employee has improved. This indicates that decline in productivity is not a cause of injury to the domestic industry.
- There is no significant effect on the number of employees and the wages paid to them.
- The injury to the domestic industry due to the dumped imports is further accentuated by the fact that not only the subject goods are being heavily

undersold, the exporters from the subject countries are also indulging in significant price undercutting.

- The landed value of the dumped imports from subject countries has been much lower than the price the domestic industry ought to have realized on the sales of subject goods. The injurious effect of this high level of price underselling has had a direct and deleterious effect on the financial performance of the domestic industry.
- The domestic industry has incurred losses during the period of investigation and therefore, the Return on Capital Employed (ROCE) computed on the basis of Earnings before Interest and Taxes (EBIT) is negative.
- Higher dumping margins during the period of investigation from each of the subject countries indicate the difficulties being faced by the domestic industry to sell the subject goods in the domestic market..
- The petitioner has incurred losses due to severe dumping of subject goods in the period of investigation. It clearly indicates that the cash flow position of the petitioner has deteriorated during the period of investigation.
- The demand in the country has increased significantly during the period of investigation as compared to base year 2001-02 whereas the market share of the domestic industry has declined by over 20% in the same period. The increase in the demand has directly been taken over by the dumped imports. The decline in market share clearly indicates the difficulties being faced by the domestic industry to sell its product and that it has culminated into losses to the domestic industry. Thus, the growth with respect to market share is negative during the period of investigation.
- In addition to the material injury being caused by the dumped imports, the threat of material injury to the domestic industry is also imminent.

59. The Authority notes that the domestic industry provided information as per para (vii) of Annexure II of Anti Dumping Rules as regards significant rate of increase in dumped imports, causing significant price undercutting. However, with regard to sufficient freely disposable capacities of the exporters and inventories of the exporters they have not provided any evidence.

## **F.2 VIEWS OF THE INTERESTED PARTIES**

60. The interested parties have, inter alia argued that

- The imports from subject countries have decreased as percentage of imports to total demand from 35.53% in 2003-04 to 32.18 % in the POI.

- The production of the domestic industry has increased.
- Most of the petitioner companies have shown continued profitability, expansion plans and buoyant outlook projections as per their annual accounts. There is no injury to the domestic industry as annual reports of most petitioners' present robust results.
- The selling prices and sales volume of the domestic industry have increased.
- The petitioners in aggregate do not have negative cash flow as per the annual report.
- The importer has stated that the ability to raise capital investment and expansion is not affected since Garden Silk Mills Limited has lined up for a loan for FDY.
- The threat of injury is baseless when there has been a decline in imports, increase in production, capacity, productivity, sales volume and values and capital outlays are being made and projected.

### F.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

61. Rule 11 of Anti Dumping Rules reads as follows:

*"Determination of Injury:*

- (1) *In the case of imports from specified countries, the designated authority shall record a further finding that import of such article into India causes or threatens material injury to any established industry or materially retards the establishment of any industry in India;*
- (2) *The designated authority shall determine the injury to domestic industry, threat of injury to domestic industry, material retardation to establishment of domestic industry and a causal link between dumped imports and injury, taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on price in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles and in accordance with the principles set out in Annexure II to these rules."*

62. The principles for determination of injury set out in Annexure-II of the Anti-Dumping Rules lay down that:

- a. A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products.
- b. While examining the volume of dumped imports, the said Authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped

imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of Rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price under-cutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.

### **F.3 Cumulative assessment of injury**

63. As per annexure-II (iii), in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article. The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%.

64. With a view to assess the conditions of competition between imported products and the conditions of competition between the imported products and the like domestic product, the Authority notes that:

- (i) The subject goods have been imported from the subject countries under the same tariff classification;
- (ii) The Authority has found that the imported subject goods are commercial substitutes of the domestically produced fully drawn yarn.
- (iii) The information furnished to the Authority gives a reasonable indication that the exports made from the subject countries compete in the same market, as these are similar products.

Therefore, the Authority finds it appropriate to cumulatively assess the effect of imports of the subject goods on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between the imported products and the like domestic product.

### **F.4 Material Injury**

65. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and

(b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

66. For the purpose of injury and causal link analysis, as discussed above, the dumped imports from the subject countries have been cumulated for examination of volume and price effects of dumped imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any. For the purpose of this examination the applicants constitute the domestic industry.

#### **F.5 VOLUME EFFECT: Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry**

67. The effects of the volume of dumped imports from the subject countries, as well as dumped imports from other countries have been examined as follows:

##### **1) Import Volumes and share of subject countries:**

68. For the purpose of injury examination the Authority has examined the DGCI&S import data, cooperating exporters export data and data from other secondary sources provided by the domestic industry. The Authority notes that there is a significant difference between the volume of imports reported in the DGCIS data and the data submitted by the responding exporters from the subject countries. However, pending reconciliation and verification of various data the DGCIS import data has been adopted for injury examination after adjusting the same taking into account the data submitted by the cooperating exporters. On the basis of this data the import volume of the subject countries are as follows:

Qty In MT				
	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Country				Jan-Dec 2005
Indonesia	2593.18	5339.96	8680.709	6149.977
Korea RP	1432.01	4646.945	13865.392	9534.32
Malaysia	2914.315	8732.812	19963.354	36883.05
Taipei	3989.307	4644.716	5194.096	6019.416
Total Subject countries	10928.812	23364.433	47703.551	58586.763
Trend	100	214	436	536
Others	1925.51	3153.596	2815.069	2929.175



Trend	100	164	146	152
Total	12854.322	26518.029	50518.62	61515.938
Trend	100	206	393	479
Share of subject countries in imports	85.02%	88.11%	94.43%	95.24%

69. The above data indicates that the volume of imports from the subject countries has increased by 436% compared to the base year while the total imports have increased by almost 380%. The share of import from the subject countries in the total imports has increased by over 10% compared to the base year.

## ii) Demand, Output and Market shares

70. The increase in volume of imports has also been analyzed with respect to the growth in demand and market shares.

71. The Authority also notes that the imports from subject countries over the investigation period have, not only increased in absolute terms but have also increased in relation to total imports, total demand and the domestic production in India.

	Qty in MT			
	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Capacity	40340	61430	61490	64170
Production	27141	48986	50666	46780
Trend	100	180	187	172
Capacity Utilization	67.28%	79.74%	82.40%	72.90%
Trend	100	119	122	108

72. The production and capacity utilization of the domestic industry has declined after showing rising trend during 2002-03 and 2003-04. The data above shows that the production in the POI increased by about 72% compared to the base year but declined significantly compared to the previous year. The capacity utilization of the domestic industry has fallen by about 10% compared to the previous year after reaching a level of 82.5% in 2003-04.

## a) Sales of Domestic Industry

	Qty in MT			
	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Domestic sales	23586	39481	46653	44674
Trend	100	167	198	189
Captive Consumption	396	847	1423	1281
Other Domestic Producers	35456	28055	37189	38625
Trend	100	79	105	109
Total Domestic Sales	59438	68384	85265	84580
Trend	100	115	143	142

73. The sale of the domestic industry shows a significant decline over the previous year after an increase of about 100 between the base year and the previous year. Overall, the sales of the domestic producers have also suffered a marginal fall over the previous year after showing a healthy growth during the intervening period.

**b) Demand and Market Share**

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Domestic sales	23586	39481	46653	44674
Trend	100	167	198	189
Captive Consumption	396	847	1423	1281
Subject countries Imports	10928.812	23364.433	47703.551	58586.763
Trend	100	214	436	536
Other countries Imports	1925.51	3153.596	2815.069	2929.175
Trend	100	164	146	152
Total Imports	12854.322	26518.029	50518.62	61515.938
Trend	100	206	393	479
Total Demand	72293	94902	135784	146096
Trend	100	131	188	202
<b>Share in Demand</b>				
Domestic Industry	32.63%	41.60%	34.36%	30.58%
Trend	100	128	105	94
Other Domestic Producers	49.04%	29.56%	27.39%	26.44%
Trend	100	60	56	54
Total Domestic sales	82.22%	72.06%	62.79%	57.89%
Trend				
Subject countries	15.12%	24.62%	35.13%	40.10%
Trend	100	163	232	265
Other Countries	2.66%	3.32%	2.07%	2.00%
Trend	100	125	78	75

74. The Authority finds that the share of the domestic producers in the total demand has declined from 82% to 58% during the period of investigation registering a decline of over 25%. On the other hand, the market share of imports from the subject countries has risen from 15% in 2001-02 to 40% during the period of investigation. It clearly indicates that the market share of the domestic industry as well as the growth in the market has directly been taken over by the imports from the subject countries. Other countries have a very marginal share in the domestic market.

## F.6 Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

75. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries/territories has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the Domestic industry (worked out after normating the costing information of the Domestic Industry) have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

### (i) Price undercutting and underselling effects

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
<b>Domestic Selling Price</b>	***	***	***	***
Trend	100	93	98	102
<b>Cost to Make and Sale</b>	***	***	***	***
Trend	100	97	105	114
<b>Landed values</b>	Rs/MT			
Indonesia	59349	78965	66533	63925
Korea RP	92284	85662	65462	65118
Malyasia	79199	78230	60247	57714
Taipei	72065	67344	61261	60099
Subject countries	73600	77712	63017	60727
Trend	100	106	86	83
<b>Price Undercutting</b>				
Indonesia	***	***	***	***
Korea RP	***	***	***	***
Malyasia	***	***	***	***
Taipei	***	***	***	***
Subject countries	***	***	***	***
<b>Price Undercutting % (of Landed values)</b>				
Indonesia				30-40%
Korea RP				30-40%
Malyasia				45-55%
Taipei				40-50%
Subject countries				40-50%
<b>NIP</b>				*****
<b>Price Underselling</b>				
Indonesia				***
Korea RP				***
Malvasia				***

Taipei				***
Subject countries				***
<b>Price Underselling %</b>				
Indonesia				25-35%
Korea RP				25-35%
Malaysia				30-40%
Taipei				33.65%
Subject countries				32.96%

76. The cost of production as well as the selling price (net sales realization) of the domestic industry shows significant increase compared to the base year and the previous year. However, while the cost of production shows an increase of about 14% over the base year and 9% over the previous year, the increase in the sale realization is only 2%. At the same time the landed value of imports from the subject countries shows significant decline of about 17% over the base year.

77. Price undercutting effect of dumped imports from the subject countries has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the CIF value of imports from the subject countries.

78. In determining the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed prices of imports from subject countries/territories have been compared with the Non-injurious selling price of the domestic industry determined for the POI.

79. As far as price undercutting is concerned, the imports from the subject countries show significant price undercutting. The landed value of imports from all the subject countries, individually and cumulatively, have been found to be significantly below the non-injurious price of the domestic industry determined by the Authority indicating significant price underselling effect on the domestic industry.

**(ii) Price suppression and depression effects of the dumped imports:**

80. The price suppression/depression effects of the dumped imports have also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries. The trend of cost of production of the subject goods shows significant increase during the injury investigation period. However, the domestic industry has not been able to realize remunerative price to recover its full cost due to the price effects of the dumped imports from the subject countries. The above data indicates that the domestic industry has been forced to suppress its prices in order to retain its market share.

**F.7 Examination of other Injury Parameters**

81. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry, as well as demand pattern with market shares of various segments, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analysed by the Authority as follows:

**i) Actual and potential effect on productivity**

Productivity				
	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Production (MT)	27141.15	48985.76	50665.64	46779.79
Employees	*****	*****	*****	*****
Production / Employee (MT)	*****	*****	*****	*****
Index	100	168.3216	180.45	201.26

There is a significant improvement in productivity of the domestic industry over the injury investigation period.

**ii) Actual and potential effects on Profits**

Profitability				
	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Profit/Loss (Rs./Unit)	***	***	***	***
Index	100	-2.23	-203.66	-502.68
Profit/Loss (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Index	100	-3.73	-402.84	-952.00
% Profit/Loss	1.61%	-0.04%	-3.28%	-7.74%

82. Due to significant increase in cost of production and inability of the domestic industry to increase the prices to recover the cost due to the impact of prices of the dumped imports from the subject countries the domestic industry has suffered major loss and the loss has increased over the injury investigation period.

**iii) Actual and potential effects on cash flow**

Cash Flow				
	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Profit/ Loss (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Add: Depreciation (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Cash Profit/ Cash Flow (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Index	100.00	137.98	73.07	-36.09
Cash Flow/MT (Rs.)	***	***	***	***
Index	100.00	82.43	36.94	-19.05

The above data indicates that the cash flow position of the domestic industry has deteriorated over the injury investigation period.

**iv) Employment and wages**

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
No of Employees	556	596	575	476
Index	100	107	103	86
Wages Total (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Index	100.00	148.58	160.78	182.59

83. The Authority notes that number of employees have been reduced by the domestic industry during the period of investigation as compared to base year as a result of pressure of its selling prices due to the dumped import from the subject countries. However, wages has increased during the same period.

**iv) Return on investment and ability to raise capital**

Return on Investment				
	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Profit/Loss (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Add: Interest	***	***	***	***
Profit/Loss Before Interest	***	***	***	***
Capital Employed	***	***	***	***
Return on Investment	4.67%	4.23%	-0.64%	-8.49%

84. Examination of the financial performance of the domestic industry in terms of its cash profits and return on investment shows significant deterioration. From positive return of about 5% the domestic industry has dipped into negative return on its investments. While capital employed in the domestic operation has increased, the profits and return on investments show significant decline compared to the base year due to pressure of dumped imports from the subject countries.

**v) Investment and Ability to raise Capital Investments**

85. The Authority notes that domestic industry has not invested any major capital in this business and the capacity of the plant has increased marginally. The Authority finds that the ability of the domestic industry to raise capital investment for any further expansion of capacity is likely to be adversely affected in view of the negative returns during the period of investigation.

**v) Magnitude of Dumping**

86. Magnitude of dumping, as an indicator of the extent to which the dumped imports can injure the domestic industry, shows that the dumping margins determined against the countries, during the POI, are significant.

**vi) Factors affecting prices**

87. Change in cost structure, competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors that might be affecting the prices in the domestic market. The Authority notes that there are few other domestic producers of the subject goods in the domestic market in India catering to about 25% of the total market demand. No material fact has been placed before the Authority to indicate any significant unfair domestic competition which could have affected the prices. Dumped imports from the subject countries have been found to be competing with the domestic product and affect the prices in the domestic market.

88. The Authority notes that the level of price undercutting cumulatively from the subject countries as well as from each of the subject countries are significant as a result of dumped imports. Further, price underselling is also evident as the landed values of imports from each of the subject countries as well as cumulated landed value from all dumped sources are significantly lower than the non-injurious price of the domestic industry. The landed value of imports from subject countries has declined drastically during the period of investigation as compared to the year 2002-March 2003 whereas at the same time the cost of raw material has increased as a result of the soaring crude oil prices. This clearly indicates the effect of dumped imports on the domestic prices. With regard to selling prices of the domestic industry, it is noted that the same have increased during the period of investigation as compared to the base year. The Authority also notes that the increase in the selling prices of the domestic industry is much lower than the increase in costs clearly indicating that the selling prices of the domestic industry have been suppressed. The domestic industry has also not been allowed to increase its prices due to dumped imports from the subject countries.

**vii) Inventories**

Inventory	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Domestic Industry	*****	*****	*****	*****
Trend	100	125	103	73

The inventory data of the domestic industry indicates significant decline in inventory holding.

**viii) Growth**

89. The Authority finds that the demand in the country has increased by about 100% during the period of investigation as compared to base year 2001-02 whereas the market share of the domestic producers has declined by over 20% over the same period. This clearly indicates that the increase in the demand has directly been taken over by the dumped imports. Thus, the growth with respect to market share of the domestic industry is negative during the period of investigation. It is also noted that the growth with respect to sales volume, capacity utilization and profitability is also negative.

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Year to Year Increase				
Demand		31.27%	43.08%	7.59%
Imports		106.30%	90.51%	21.77%
DI sales		67.39%	18.17%	-4.24%

## **F.8 CONCLUSION ON INJURY**

90. On the basis of the preliminary examination of the conditions of the domestic industry the Authority provisionally holds that

- a. the quantum of imports from the subject countries have increased in absolute terms as well as in relation to total demand and domestic production in India,
- b. the market share of the petitioners has come down while that of imports has increased;
- c. the profitability, return on investment and cash flows become negative in the period of investigation from a positive level in the base year;
- d. Since the ROCE for the domestic industry is negative, their ability to raise capital investment is adversely affected.
- e. The capacity utilization and sales volume of the domestic industry has come down;
- f. The employment situation in the industry has deteriorated;
- g. There is severe price undercutting as well as price underselling;
- h. The margin of dumping from each of the subject countries is significant.

The Authority therefore provisionally concludes that the domestic industry has suffered material injury as envisaged under the Rules.

## **G CAUSAL LINK AND OTHER FACTORS**

### **i) Effect of dumped imports**

91. Between 2001-02 and the POI, the dumped imports from subject countries have increased significantly to 95% as a proportion of total imports. The market share of the domestic producers has decreased from 82% in 2001-02 to 56% during the POI while demand in the domestic market has increased by over 100% during the same period. Import from the other sources is a very small proportion of the total imports and demand in the market. Therefore, the imports from other than dumped sources do not have any significant impact on the domestic industry.

92. In examining the price effect whether the dumped imports have significantly undercut the price of the like product in India, the Authority found that the landed value of the subject goods from subject countries was lower than the selling price of the domestic industry thereby undercuts the selling price of the domestic industry significantly. Moreover, undercutting to the domestic prices did not show the full impact of the dumped imports since the domestic prices



were suppressed due to low landed value. It is found that the price undercutting and the pricing behavior of landed value of imports has forced the domestic industry to the prices even less than the cost of production, resulting in financial losses to the domestic industry. The domestic industry could not increase the selling price as a result of increase in the cost of production due to dumped imports and suffered financial losses during the POI. The undercutting along with price suppression in effect eroded the profitability of the domestic industry. The domestic industry has suffered material injury due to dumped imports of subject goods from subject countries during the POI.

**ii) Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers**

93. The Authority did not find any trade restrictive practices followed by the Indian producers and other competing industries. As regards the Domestic Industry's inability to fill the gap between the domestic demand and their own production, it may be observed that the imposition of anti-dumping duties does not amount to any kind of restriction on suppliers and producers for supplying the subject goods in the domestic market, which could have contributed to the injury to the domestic industry.

**iii) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption**

94. It is noted that there is no contraction in the overall demand during the period under consideration. On the contrary, the overall demand has increased by 100% during the POI. Therefore, the possible decline in demand is not a factor which could have caused injury to the domestic industry

**iv) Technology**

95. The interested parties have raised the issue regarding the difference in technology being adopted by the domestic industry and the exporters in the subject countries resulting into cost efficiency for the exporters. However, in the absence of sufficient evidence, the Authority is of the opinion that difference in technology, if any, has not been demonstrated to have any adverse effect on the performance of the domestic industry.

**v) Export performance**

96. The Domestic Industry has exported the subject goods during the period of investigation as well as during previous years. The Authority notes that the export performance of the domestic industry has shown improvement. The profitability of the domestic and exports sales have been segregated for the purpose of the injury examination. Therefore, injury caused due to exports (if any) has not been attributed to the performance of the domestic industry in the domestic market.

**vi) Productivity**

97. As regards the productivity of the domestic industry, the authority notes that the productivity has improved during the POI. The productivity *per se* could not be the cause of injury to the domestic industry.

**H MAGNITUDE OF INJURY MARGIN**

98. The Authority note that there is a significant difference between the price data submitted by the exporters and the import data available from DGCIS. Subject to reconciliation and verification of the same the export price data of the exporters have been used for the determination of landed values of the goods from the responding exporters for the purpose of determination of provisional injury margins. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value determined provisionally for determination of injury margins. The weighted average injury margins of the exports from the subject exporters and subject countries and the have been worked out as follows:

Injury Margin Calculations		
Name of company	Injury Margin	Injury Margin %
M/s P.T. Mutu Gading Tekstil, Indonesia	*****	-0 to 10%
Other Exporters, Indonesia	*****	30 to 40%
M/s H.K. Corporation, Korea	*****	10 to 20%
M/s Hyosung Corporation, Korea	*****	-0 to 10%
M/s Saehan Industry, Korea	*****	-25 to 35%
M/s Huvis Corporation, Korea	*****	-15 to 25%
Other Exporters, Korea	*****	20 to 30%
M/s Hualon Corporation, Malaysia	*****	15 to 25%
Other Exporters, Malaysia	*****	30 to 40%
M/s Nan Ya Plastics Corporation, Chinese Taipei	*****	10 to 20%
M/s China Man-Made Fiber Corporation, Chinese Taipei	*****	10 to 20%
Other Exporters, Chinese Taipei	*****	30 to 40%

**I INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**

99. The Authority holds that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition.

100. The Authority also recognizes that though the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products, however, fair competition in the Indian market will not be reduced by these anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by the dumping practices and would prevent the decline of the domestic industry and would help in maintaining availability of wider choice of the subject goods to the consumers.

## **J. CONCLUSIONS**

101. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- a. Subject goods originating in or exported from subject countries have been exported to India below their normal values.
- b. The domestic industry has suffered material injury.
- c. The injury has been caused to the domestic industry by dumped imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

## **K Recommendations**

102. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject country, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.

103. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.

104. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry.

105. Accordingly, the Authority recommends that the provisional anti dumping duties be imposed from the date of issue of notification by the Central Government, on all imports of Fully Drawn Yarn falling under chapter 54 of Custom Tariff Classification Act 1975, originating in or exported from Indonesia, Korea RP, Malaysia and Chinese Taipei. The anti-dumping duty shall be the amount mentioned in Column No. 9 of the following table.

## Duty Table

Sl. No	Sub-heading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	5402.43	Fully Drawn Yarn	Any	Indonesia	Any	M/s P.T. Mutu Gading Tekstil, Indonesia	M/s P.T. Mutu Gading Tekstil, Indonesia	Nil	MT	US\$
2.	5402.43	-Do-	Any	Indonesia	Any	Any	Any	699	MT	US\$
3.	5402.43	Fully Drawn Yarn	Any	Other than Indonesia	Indonesia	Any	Any	699	MT	US\$
4.	5402.43	Fully Drawn Yarn	Any	Korea RP	Any	M/s H.K. Corporation, Korea	M/s H.K. Corporation, Korea	107	MT	US\$
5.	5402.43	Fully Drawn Yarn	Any	Korea RP	Any	M/s Hyosung Corporation, Korea	M/s Hyosung Corporation, Korea	Nil	MT	US\$
6.	5402.43	Fully Drawn Yarn	Any	Korea RP	Any	M/s Saehan Industry, Korea	M/s Saehan Industry, Korea	Nil	MT	US\$
7.	5402.43	Fully Drawn Yarn	Any	Korea RP	Any	M/s Huvis Corporation, Korea	M/s Huvis Corporation, Korea	Nil	MT	US\$
8.	5402.43	Fully Drawn Yarn	Any	Korea RP	Any	Any	Any	558	MT	US\$
9.	5402.43	Fully Drawn Yarn	Any	Other than Korea RP	Korea RP	Any	Any	558	MT	US\$
10.	5402.43	Fully Drawn Yarn	Any	Malaysia	Any	M/s Hualon Corporation,	M/s Hualon Corporation,	140	MT	US\$
11.	5402.	Fully	Any	Malay	Any	Any	Any	419	MT	US\$

	43	Drawn Yarn		sia						
12.	5402.43	Fully Drawn Yarn	Any	Other than Malay sia	Malay sia	Any	Any	419	MT	US\$
13.	5402.43	Fully Drawn Yarn	Any	Chinese Taipei	Any	M/s Nan Ya Plastics Corporation	M/s Nan Ya Plastics Corporation	57	MT	US\$
14.	5402.43	Fully Drawn Yarn	Any	Chinese Taipei	Any	M/s China Man-Made Fiber Corporation,	M/s China Man-Made Fiber Corporation,	268	MT	US\$
15.	5402.43	Fully Drawn Yarn	Any	Chinese Taipei	Any	Any	Any	421	MT	US\$
16.	5402.43	Fully Drawn Yarn	Any	Other than Chinese Taipei	Chinese Taipei	Any	Any	421	MT	US\$
						Any	Any			

#### L FURTHER PROCEDURE

106. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings. Such comments should be filed within 40 days from the date of this notification.
- Exporters, Importers, Petitioner and other interested parties known may make known their views, within forty days from the date of these preliminary findings;
- The Authority would conduct further verifications to the extent deemed necessary;
- The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions, for which the date and time shall be communicated to all known interested parties separately;
- The Authority would also disclose essential facts before announcing final findings in terms of Rule 16 of the Anti-dumping Rules.

CHRISTY FERNANDEZ, Designated Authority